हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 48, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 15 अगस्त, 2023 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

'महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दें', राष्ट्रपति का देशवासियों से आग्रह

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले देश तिरंगे के रंग में रंग गया है। आजादी के तराने गूंज रहे हैं तो लोगों में जोश भी दिख रहा है। इस बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को 77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित कर रही हैं। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मेरे प्यारे देशवासियो, देश के 77वें स्वतंत्रता दिवस पर आप सभी को मेरी हार्दिक बधाई! यह दिन हम सब के लिए गौरवपूर्ण और पावन है। चारों ओर उत्सव का वातावरण देखकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम केवल एक व्यक्ति ही नहीं हैं, बल्कि हम एक ऐसे महान जन-समुदाय का हिस्सा हैं जो अपनी तरह का सबसे बड़ा और जीवंत समुदाय है। यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिकों का समुदाय है। जाति, पंथ, भाषा और क्षेत्र के अलावा, हमारी अपने परिवार और कार्य-क्षेत्र से जुड़ी पहचान भी होती है। लेकिन हमारी एक पहचान ऐसी है जो इन सबसे ऊपर है, और हमारी वह पहचान है, भारत का नागरिक होना। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा, 15 अगस्त, 1947 के दिन देश ने एक नया सवेरा देखा। उस दिन हमने विदेशी शासन से तो आजादी हासिल की ही, हमने अपनी नियति का निर्माण करने की स्वतंत्रता भी प्राप्त की। हमारी स्वाधीनता के साथ, विदेशी शासकों द्वारा उपनिवेशों को छोड़ने का दौर शुरू हुआ और उपनिवेशवाद समाप्त होने लगा। हमारे द्वारा स्वाधीनता के लक्ष्य को प्राप्त करना तो महत्वपूर्ण था ही, लेकिन उससे भी ज्यादा उल्लेखनीय है, हमारे स्वाधीनता संग्राम का अनोखा तरीका। उन्होंने कहा, "महात्मा गांधी तथा अनेक असाधारण एवं दूरदर्शी विभूतियों के नेतृत्व में हमारा राष्ट्रीय आंदोलन अद्वितीय आदर्शों से अनुप्राणित था। गांधी व अन्य महानायकों ने भारत की आत्मा को फिर से जगया और हमारी महान सभ्यता के मूल्यों को जन-जन में संचार किया। भारत के ज्वलंत उदाहरण का अनुसरण करते हुए हमारे स्वाधीनता संग्राम की आधारशिला सत्य और अहिंसा को पूरी दुनिया के अनेक राजनीतिक संघर्षों में सफलतापूर्वक अपनाया गया है।" "स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए अपने इतिहास से फिर से जुड़ने का अवसर होता है। यह हमारे वर्तमान का आकलन करने और भविष्य की राह बनाने के बारे में चिंतन करने का अवसर भी है। आज हम देख रहे हैं कि भारत ने न केवल विश्व मंच पर अपना यथोचित स्थान बनाया है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अपनी प्रतिष्ठा को भी बढ़ाया है।

शुभकामनाएं

समस्त सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं व शुभेच्छुओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

–संपादक

छुट्टी की सूचना

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर **'प्रखर पूर्वांचल'** कार्यालय में 15 अगस्त 2023 को अवकाश रहेगा। अतः समाचार पत्र का अगला अंक 17 अगस्त 2023 को प्रकाशित होगा।

–संपादक

हिमाचल में बारिश और भूस्खलन ने ढाया कहर, 52 की मौत

शिमला/नालागढ़/नाहन। हिमाचल में भारी वर्षा, बाढ़ व भूस्खलन से सोमवार को 52 लोगों की मौत हो गई, जबकि 56 लोग लापता हैं। भारी वर्षा ने सोलन, शिमला और सिरमौर जिला में तबाही मचाई है। यहां 24 लोगों की मौत हो गई और कई लापता हैं। शिमला में शिव मंदिर पर मलबा गिर तो शहर के ही फागली में दिहाड़ी मजदूरी करने वाले नेपाली समुदाय के लोगों पर मलबा कहर बनकर टूटा। पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि मलबे ने इनके घरों को तहस-नहस कर दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिमला सुनील नेगी ने बताया कि घायल लोगों को आइजीएमसी में भर्ती करवाया गया है। समरहिल के पास हुए हादसे में अमन शर्मा, सहिसा, सुइसा, संतोष, किरण, संजीव ठाकुर व अमित ठाकुर की मौत हो गई। फागली में सलाहुदीन, यासीर खान, सुनीता व कमला की जान गई है। एक शव की पहचान नहीं हुई है। वहीं, नवीन, दीपक, विकास, खुरशीद मुहम्मद, निधि, ममता, सुरेश, साहिल, प्रदीप, विद्यासागर, अंकुश कुमार, राहुल, सावन, अरुण घायल हुए हैं। इसके अलावा संजौली में भूस्खलन की चपेट में आने से व्यक्ति घायल हो गया है। भट्ठाकुफर व ढली सड़क पर भूस्खलन में लगभग 12 वाहन दबे। शोघी-आनंदपुर सड़क पर बादल फटने से खेतों को नुकसान पहुंचा है। शिमला के ढली के इंद्रनगर और ढली बाईपास में 12 से अधिक वाहन मलबे की चपेट में आ गए हैं। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के पुस्तकालय भवन के नीचे दरारें आ गई हैं। सोमवार सुबह छह बजे उपनगर टुटू में हीरानगर के पास भूस्खलन के कारण मटौर-शिमला राष्ट्रीय राजमार्ग सुबह तीन घंटे तक बंद रहा। वहीं, सोलन जिला के रामशहर के गांव बानली कनेटा में बारिश से एक मकान गिर गया। मलबे में दबने से 65 वर्षीय फूला देवी की मौत हो गई। पंचायत प्रधान रघुराज का कहना है कि बारिश के चलते मकान गिर जाने से हादसा हुआ। परिवार के एक व्यक्ति, महिला व तीन बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। एसडीएम नालागढ़ दिव्यांशु सिंघल ने कहा कि प्रभावितों को फौरी राहत के तौर पर 25 हजार रुपये दिए हैं।

सोलन जिले के परवाणू में चक्की मोड़ के पास कालका-शिमला फोरलेन बंद। रविवार रात साढ़े 10 बजे भूस्खलन के कारण एनएच बंद है। चक्की मोड़ में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने सड़क पर नई दरारें देखने के बाद बड़े वाहनों की आवाजाही बंद करने की मांग उपायुक्त से की थी, जिसके बाद उपायुक्त ने रविवार शाम बसों व बडे वाहनों की आवाजाही सोलन से परवाणू और परवाणू से सोलन दोनों ओर को तत्काल रूप से बंद करवा दिया था। हालांकि उस समय छोटे वाहनों की आवाजाही यहां से सुचारू थी, लेकिन रविवार रात हुए भूस्खलन को देखते हुए सभी वाहनों को रोक दिया गया था। सिरमौर जिले में वर्षा से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नाहन विधानसभा क्षेत्र के कंडईवाला में रविवार शाम साढ़े छह बजे बादल फटने से रात को 50 घरों में मलबा घुस गया और करीब 70 बीघा में लगी फसल बर्बाद हो गई है। बेघर लोगों को स्कूल में शरण दी गई है। समरहिल के पास एंथली स्थित शिव बाड़ी मंदिर में भूस्खलन होने के कारण कालका-शिमला रेलमार्ग हवा में लटक गया है। यहां 20 से 30 मीटर रेललाइन हवा में लटकी हुई है।

15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

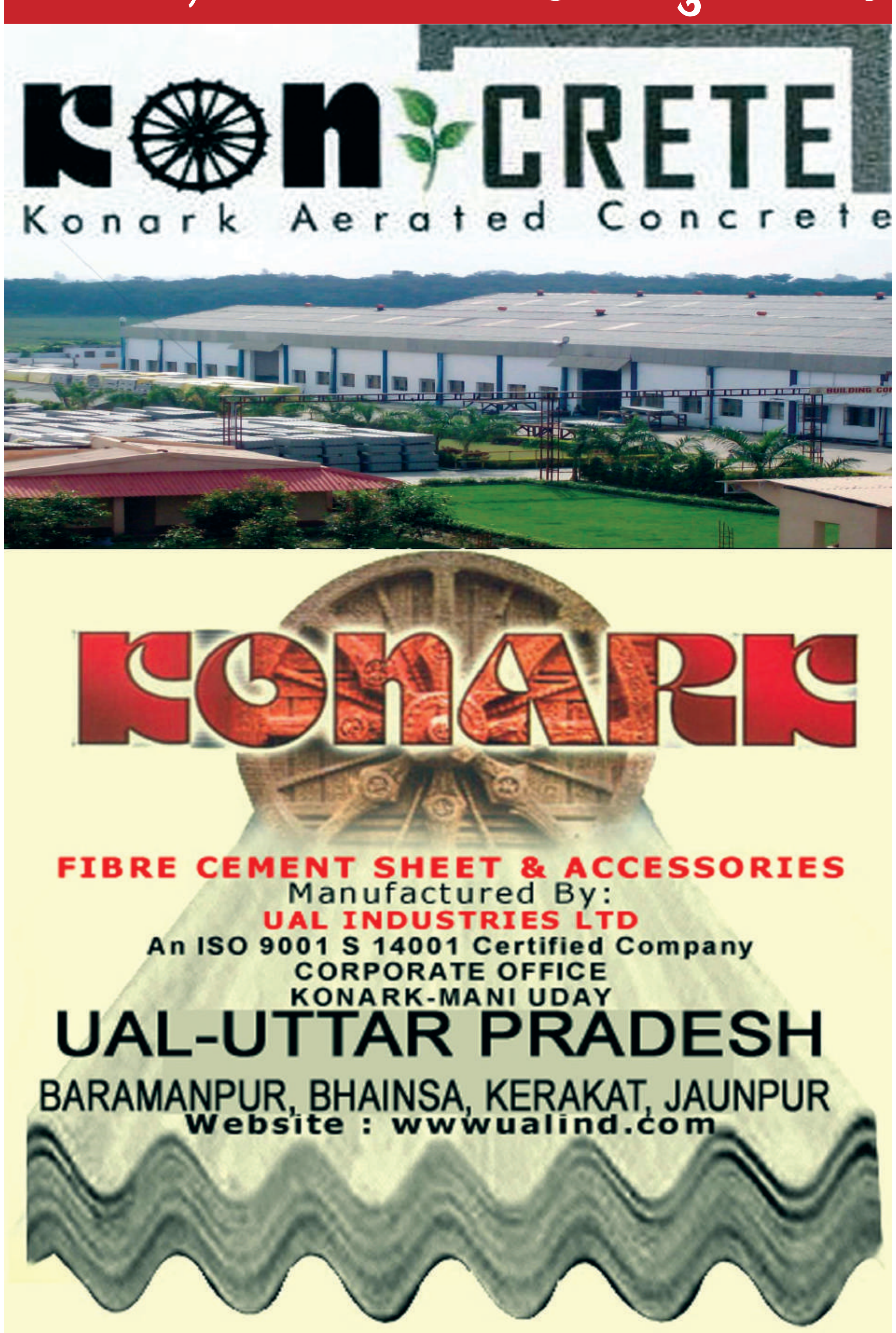

15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादकीय

असफलता, ताने और आलोचनाओं से मिलती है अपार सफलता

लगातार मिली असफलताओं के बाद, क्या कोई व्यक्ति सफलता के उच्चतम मुकाम में पहुंच सकता है? सामान्यतः असफलताओं से लोग घबराकर और परेशान होकर रास्ता बदल देते है। जिन्होंने रास्ता बदल दिया, वह असफलता के मुकाम पर जहां तक जा सकते हैं। वहां तक पहुंच जाते हैं। लेकिन जो लोग, लगातार मिल रही असफलताओं और आलोचना से टकराने का जज्बा अपने मन के अंदर पैदा कर लेते हैं। वह असफलताओं लड़ने लगते हैं, तो वह सफलता की उच्चतम सीढ़ी तक चढ़ने में सफल होते हैं। कहावत में इसे मार मार कर किसी को इतना पक्का बना देना, कि आलोचना और असफलता उसे पक्का बना देती हैं। वह जब तक सफलता हासिल नहीं करता है, तब तक वह चैन से नहीं बैठता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बारे में भी यही चरितार्थ होता हुआ दिख रहा है। राहुल गांधी को पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से निशाने पर लिया गया। उनकी तरह-तरह से आलोचना की गई। उनका मजाक उड़ाया गया। उन्होंने घबराकर अपना रास्ता नहीं बदला। लगातार संघर्ष करते रहे। वर्तमान में वह सफलता की जिन सीढ़ियों को चढ़ते हुए दिख रहे हैं। उससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है, कि आलोचनाओं से ना डरते हुए उन्होंने हर स्थिति का जमकर मुकाबला किया। जिसके कारण वह अपने मुकाम के सफर में लगभग-लगभग सफल नजर आ रहे हैं। आज सारे देश और दुनिया में राहुल गांधी को लेकर चचाएं होने लगी हैं। कुछ बरस पहले उन्हें पप्पू बताया जा रहा था। हर तरफ उनका मखौल उड़ाया जा रहा था। लेकिन देखते ही देखते स्थिति ने करवट बदली। अब वह राजनीति और सेवा के क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल कर विशिष्ट बनते हुए नजर आ रहे हैं। ऐसी ही एक कहानी मुरैना में जन्मे मनोज शर्मा की है। जो नौवीं -दसवीं में तृतीय श्रेणी में पास हुए। कक्षा 12 में फेल हो गए। घर परिवार और दोस्तों के तानों से परेशान होकर गांव छोड़कर दिल्ली चले गए। कॉलेज के दौरान उन्होंने सपना सजोंया, कि उन्हें आईपीएस अधिकारी बनना है। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में लगातार बठते रहे। चौथी बार मे उन्हें सफलता मिली। उन्हें आईपीएस अवार्ड हुआ। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। तानों से परेशान होकर उन्होंने जो निर्णय लिया था, कि वह आईपीएस बन कर ही घर लौटेंगे। दिल्ली में होटल में नौकरी की। कभी टेंपो चलाया। कभी फुटपाथ पर सोए। अपने लक्ष्य से पीछे तमाम परेशानियों के बाद भी नहीं हटे। मनोज शर्मा वर्तमान में सीआईएसएफ के मुंबई में डीआईजी हैं। इनके जीवन पर एक फिल्म तैयार हो रही है। इस फिल्म का नाम ट्वेल्थ फेल रखा गया है। यह फिल्म 27 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है। मनोज शर्मा की पत्नी श्रद्धा जोशी आईआरएस अधिकारी हैं। फिल्म वह मोटिवेशनल स्पीकर के अहं रोल में है। मनोज शर्मा के सहपाठी अनुराग पाठक ने फिल्म की पटकथा लिखी । निमार्ता निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा उस पर फिल्म बना रहे हैं। लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर यदि निष्ठा के साथ प्रयास किए जाएं, तो निश्चित रूप से आदमी अपनी मंजिल के जिस क्रम तक जाना चाहता है, वहां पर पहुंचा जा सकता है। आस्था और विश्वास किसी भी सफलता के लिए सबसे बड़ा गुण है। राहुल गांधी हो या मनोज शर्मा आईपीएस अधिकारी हों। इन्होंने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जिस तरह से अपने मन में लक्ष्य तैयार किया। लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कितनी भी परेशानी आई, उससे घबराए नहीं, कड़ा मुकाबला किया। अक्सर यह देखा जाता है कि हाई स्कूल में जो ड्रॉप आउट होता है। उस समय उसमें जो हीन भावना उत्पन्न होती है। उसके बाद वह जिस क्षेत्र में भी जाता है। उसे यह एहसास रहता है, कि कहीं ना कहीं वह असफल हुआ है। जिसके कारण वह सफलता पाने के लिए हठी हो जाता है। इसी हठ के कारण जिस काम को हाथ में लेता है, उसे पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करता है। जिसके कारण उसे सफलता मिलती है। दुनिया में ऐसे हजारों उदाहरण है, जो अपने शुरूआती दौर में बुरी तरह से असफल हुए। उन्होंने अपना रास्ता नहीं छोड़ा और लक्ष्य पाने में कितनी भी परेशानियां आई। उसे छोड़ा नहीं। जिसके कारण सफलता के उस मुकाम पर पहुंचे, जहां उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी सही है, खेल-खेल में बच्चा पैदा होता है। खेल-खेल में कैरियर बनता है। खेल हमेशा जीतने के लिए खेला जाता है। कोई भी खेल कभी भी, कोई भी व्यक्ति पराजित होने के लिए नहीं खेलता है। यदि यह खेल भावना बनी रहती है। तो निश्चित रूप से उसे खेल भावना के कारण अप्रत्याशित सफलता मिलती है। जिसमें खिलाड़ी भावना होती है। वह अपनी हर पराजय से सबक लेता है। पुनः जीतने के लिये खिलाड़ी बनकर खेलता है।

निष्ठा और सत्य

निष्ठा अविभाजित मन, अविभाजित चेतना का स्वभाव है। ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। आत्मा में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। जिसमें भी तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की कोशिश न करो। बच्चे को मां में विश्वास है। बच्चा मां को जानने का प्रयत्न नहीं करता, उसे केवल मां में विश्वास है। जब तुममें निष्ठा है, जानने की क्या आवश्यकता है? यदि तुम प्रेम को जानने का विषय बनाते हो, प्रेम लुप्त हो जाता है। ईश्वर, प्रेम, आत्मा और निद्रा समझ के परे हैं। यदि तुम केवल विश्लेषण करते हो, संशय उत्पन्न होता है और निष्ठा खत्म होती है। जिसमें तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की या विश्लेषण करने की चेष्टा न करो। विश्लेषण दूरी पैदा करता है, संश्लेषण (संकलन) जोड़ता है। निष्ठा संकलन है, जानना विभाजन। निष्ठा और विश्वास में फर्क है, विश्वास हल्का होता है, निष्ठा ठोस, अधिक सबल। हमारे विश्वास बदल सकते हैं मगर निष्ठा अटल होती है। निष्ठा के बिना चेतना नहीं। यह दिये की लौ के समान है। निष्ठा है चेतना की शान्त, स्थायी प्रकृति। निष्ठा चेतना का स्वभाव है। सत्य वह है जो बदलता नहीं। अपने जीवन को देखो और पहचानो कि वह सब जो बदल रहा है, सत्य नहीं। इस दृष्टि से देखने पर तुम पाओगे कि तुम केवल असत्य से घिरे हुए हो। असत्य को पहचानने पर तुम उससे मुक्त होते हो। जब तक तुम असत्य को पहचानोगे नहीं, उससे मुक्त नहीं हो सकते। स्वयं के जीवन के अनुभव तुम्हें तुम्हारे असत्यों की पहचान कराते हैं। जैसे-जैसे जीवन में परिपक्वता आती है, तुम पाते हो कि सभी कुछ असत्य है- घटनाएं, परिस्थितियां, लोग, भावनाएं, विचार, मत-धारणाएं, तुम्हारा शरीर-सभी असत्य है। और तभी सच्चे अर्थ में सत्संग (सत्य का संग) होता है। मां के लिए बच्चा तब तक असत्य नहीं है जब तक बालिग नहीं हो जाता। बच्चे के लिए मिठास असत्य नहीं और किशोर के लिए सैक्स असत्य नहीं। ज्ञान यदि शब्दों तक सीमित है, तो वह असत्य है। परंतु अस्तित्व के रूप में यह सत्य है। प्रेम भावना के रूप में सत्य नहीं, अस्तित्व के रूप में यह सत्य है।

नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी की लड़ाई से क्यों बचना चाहते हैं कांग्रेस और उसके सहयोगी ?

संतोष पाठक

राहुल गांधी कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। भारत जोड़ो यात्रा निकालकर वह अपनी क्षमता को भी साबित कर चुके हैं। सड़क से लेकर संसद तक वह लगातार सरकार या यूं कहें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सीधी लड़ाई भी लड़ते हुए नजर आ रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद न तो उनकी अपनी पार्टी और न ही उनके गठबंधन के सहयोगी दल यह चाहते हैं कि 2024 की लड़ाई मोदी बनाम राहुल की लड़ाई बन जाए। कहने को कहा जा सकता है कि, कांग्रेस के साथ गठबंधन में शामिल हर राजनीतिक दल का नेता अपने आपको प्रधानमंत्री पद का दावेदार मान कर चल रहा है इसलिए वे नहीं चाहते कि राहुल गांधी उनको लीड करते नजर आएं लेकिन इसकी गहराई में जाने पर इसका वास्तविक कारण भी उभर कर सामने आ जाता है।

वैसे तो भारत में शासन की संसदीय प्रणाली को चुना गया है, जिसमें जनता अपने वोट के द्वारा सांसद चुनती है और जनता द्वारा चुने गए सांसद बहुमत के आधार पर देश का प्रधानमंत्री चुनते हैं। कहने को तो इस प्रणाली में भारत की जनता सीधे प्रधानमंत्री का चुनाव नहीं करती है लेकिन आजादी के बाद से ही व्यवहारिक राजनीतिक स्थिति पूरी तरह से इस सिद्धांत के विपरीत ही रही है। आजादी के बाद के कई दशकों तक तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के करिश्माई व्यक्तित्व के कारण ही कांग्रेस चुनाव जीतती रही है और उस दौर में तो यहां तक कहा जाता था कि लोक सभा चुनाव के लिए कांग्रेस का टिकट मिलना सांसद बनने की गारंटी है। अर्थात एक मायने में देखा जाए तो उस दौर में सांसद मिलकर अपने प्रधानमंत्री का चुनाव नहीं करते थे बल्कि प्रधानमंत्री यह तय करते थे कि उनकी पार्टी से सांसद कौन बनेगा।

नेहरू के बाद लाल बहादुर शास्त्री कुछ समय के लिए प्रधानमंत्री बने लेकिन उनके बाद नेहरू की बेटी इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री बनी। इंदिरा गांधी ने पहले अपने पिता नेहरू की विरासत और बाद में अपनी लोकप्रियता के सहारे अपने इर्द-गिर्द एक ऐसा आभामंडल तैयार कर लिया कि

उनकी चमक के सामने के. कामराज जैसे दिग्गज नेता भी असफल हो गए। इसके बाद इंदिरा गांधी जब तक जीवित रहीं, अपनी पार्टी और सरकार की सर्वोच्च नेता रहीं (मोरारजी देसाई और चरण सिंह के छोटे से कार्यकाल को छोड़कर)। दुर्भाग्यपूर्ण हालात में सिख आतंकवाद के दौर में उनके अपने ही अंगरक्षकों ने उनकी हत्या कर दी। उनकी विरासत के कारण राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री बने और उनकी हत्या से उपजी सहानुभूति की लहर पर सवार होकर 400 से ज्यादा सीटें जीतकर ऐतिहासिक बहुमत के साथ देश के प्रधानमंत्री बने। हालांकि देश के इतिहास पर कई बड़े प्रभाव डालने के फैसले और लोकप्रियता के बावजूद बोफोर्स के दाग ने कुछ ही वर्षों में उनकी चमक फीकी कर दी। 1989 के चुनाव में राजीव गांधी को हार का सामना करना पड़ा और 1991 लोक सभा चुनाव के चुनाव प्रचार के दौरान ही उनकी हत्या हो गई।

इसके बाद नरसिम्हा राव ने पांच साल तक अल्पमत सरकार चलाई। एचडी देवेगौड़ा और इंद्र कुमार गुजराल कांग्रेस के समर्थन से थोड़े-थोड़े समय प्रधानमंत्री रहे। लेकिन 1998 में एनडीए गठबंधन के नेता के तौर पर अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री बनने के बाद एक फिर से नेहरू और इंदिरा का दौर आंशिक रूप से लौटता नजर आया। एक वोट से सरकार गिरने के बाद 1999 के लोकसभा चुनाव को भाजपा ने अटल बिहारी वाजपेयी बनाम कौन का चुनाव बना दिया और गठबंधन का नेतृत्व करने के बावजूद अटल बिहारी वाजपेयी इस लड़ाई में सब पर भारी पड़े। 2004 के लोकसभा चुनाव में महज कुछ सीटों के अंतर से भाजपा को पछाड़ कर सहयोगी दलों की संख्या के आधार पर यूपीए की सरकार बनी और सोनिया गांधी ने मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाकर सत्ता पर अपनी पकड़ को बरकरार रखने का नायाब तरीका ढूंढ निकाला। कांग्रेस के रणनीतिकार भले ही इस बात से इंकार करें लेकिन 2009 का लोकसभा चुनाव लालकृष्ण आडवाणी के आक्रामक चुनाव प्रचार अभियान के कारण मनमोहन बनाम आडवाणी का चुनाव बन गया और और इस लड़ाई में मनमोहन सिंह लालकृष्ण आडवाणी पर भारी पड़ गए। 2014 के लोक सभा चुनाव के नतीजों के साथ ही देश में नेहरू और इंदिरा युग की तरह मोदी युग की शुरूआत हुई। वैसे तो 1984 के लोक सभा चुनाव के 30 साल बाद जनता ने किसी दल को पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने का मौका दिया लेकिन दूसरे मायने में देखा जाए तो 1980 के बाद पहली बार 2014 में कोई नेता सिर्फ अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बना पाया था। 2019 में एक तरफ जहां भाजपा ने अपने इतिहास की सबसे बड़ी जीत हासिल की तो वहीं कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को अपनी पारिवारिक लोकसभा सीट अमेठी से भी हार का सामना करना पड़ा। उसके बाद से ही कांग्रेस मोदी बनाम राहुल के चुनावी नैरेटिव से बचने की कोशिश करती रही है। जबकि भाजपा अपने लिए मोदी बनाम राहुल की चुनावी लड़ाई के नैरेटिव को फायदेमंद मानते हुए हर चुनाव को इसी पैटर्न पर ले जाने की कोशिश करती नजर आती है। दरअसल, केंद्र की सरकार में 9 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद तमाम सर्वे यह बताते हैं कि नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। स्थानीय स्तर पर लोग अपने सांसद से नाराज हो सकते हैं, महंगाई को लेकर परेशान भी हो सकते हैं लेकिन जब भी बात प्रधानमंत्री पद की आती है तो उनकी पहली पसंद नरेंद्र मोदी ही होते हैं और शायद यही वजह है कि कांग्रेस के रणनीतिकार यह नहीं चाहते हैं कि 2019 के लोकसभा चुनाव की तरह 2024 में भी लोकसभा चुनाव नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी की लड़ाई में बदलती नजर आए इसलिए कांग्रेस नेतृत्व की बजाय मुद्दों पर ज्यादा फोकस करती नजर आती है लेकिन एक खास रणनीति के तहत भाजपा हर बार अपने नेतृत्व यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगे कर चुनावी लड़ाई को नेतृत्व की लड़ाई यानी चेहरे की लड़ाई में बदलने की कोशिश करती नजर आती है क्योंकि उसे इस बात का बखूबी अहसास है कि मोदी बनाम राहुल की चुनावी लड़ाई में पलड़ा मोदी का ही भारी रहेगा। हालांकि इस तथ्य का अहसास सिर्फ भाजपा को ही नहीं है बल्कि कांग्रेस आलाकमान भी इस सच्चाई को बखूबी समझता है और इंडिया गठबंधन में कांग्रेस के साथ खड़े राजनीतिक दल भी इसे बखूबी समझते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसे खुल कर कह चुकी हैं और बाकी सहयोगी भी दबी जुबान में इशारों-इशारों में इसे स्वीकार करते रहते हैं।

वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध झूठा विमर्श गढ़ने की साजिश चल रही है

भारत ने जब से ह्यआत्मनिर्भर भारत अभियानह्न की शुरूआत की है, वैश्विक स्तर पर कई देशों, विशेष रूप से चीन, को भारत का यह अभियान रास नहीं आ रहा है क्योंकि अब भारत कई क्षेत्रों में तेजी से आत्मनिर्भर बनता जा रहा है जबकि पूर्व में विभिन्न उत्पादों का आयात इन देशों से किया जाता था। बल्कि, अब तो भारतीय कम्पनियां कई ऐसे उत्पादों का निर्यात भी करने लगी हैं जिनका पहले इन देशों से आयात किया जाता था, अतः इन देशों के अन्य देशों को निर्यात भी अब प्रभावित होने लगे हैं। इस प्रकार, आत्मनिर्भर भारत अभियान कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर गहरी चोट करता हुआ नजर आ रहा है, जिसके चलते ये देश भारत के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुष्प्रचार कर रहे हैं ताकि भारतीय नागरिकों को विचलित किया जा सके और जिससे अंततः भारत की आर्थिक प्रगति प्रभावित हो। आत्मनिर्भर भारत अभियान के पूर्व भारत में विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 25 सितम्बर 2014 को मेक इन इंडिया नामक एक कार्यक्रम की शुरूआत भी की गई थी। मेक इन इंडिया कार्यक्रम भारत में बहुत सफल रहा है क्योंकि इससे भारत को महत्वपूर्ण निवेश, निर्माण, संरचना तथा अभिनव प्रयोगों के वैश्विक केंद्र के रूप बदला जा सका है। आज भारतीय अर्थव्यवस्था देश में मजबूत विकास और व्यापार के समग्र दृष्टिकोण में सुधार और निवेश के संकेत के साथ आशावादी रूप से आगे बढ़ रही है। मेक इन इंडिया कार्यक्रम मुख्यतः निर्माण क्षेत्र पर केंद्रित रखा गया था लेकिन इसका मुख्य उद्देश्य भारत में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना भी है। इसका दृष्टिकोण निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाना, आधुनिक और कुशल बुनियादी संरचना, विदेशी निवेश के लिए नए क्षेत्रों को खोलना और सरकार एवं उद्योग के बीच एक साझेदारी का निर्माण करना है। मेक इन इंडिया पहल के सम्बंध में देश एवं विदेश से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। जापान, फ्रांस, अमेरिका और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने विभिन्न औद्योगिक और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में भारत में निवेश करने हेतु अपना समर्थन दिखाया है।

पिछले लगभग एक दशक के दौरान भारत ने अपनी उपस्थिति दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में दर्ज कराई है। वर्ष 2030 तक भारत दुनिया की शीर्ष तीन विकास अर्थव्यवस्थाओं और शीर्ष तीन निर्माण स्थलों में गिने जाने की उमीद कर रहा है। आगे आने वाले 2-3 दशकों के लिए अनुकूल जनसांख्यिकीय लाभांश, गुणवत्तापूर्ण कर्मचारियों की निरंतर उपलब्धता भारत में रहने वाली है। भारत में जनशक्ति की लागत अन्य देशों की तुलना में अपेक्षाकृत कम है। विश्वसनीयता और व्यवसायिकता के साथ संचालित जिम्मेदार व्यावसायिक घराने बड़ी मात्रा में भारत में मौजूद हैं। भारत में उत्पादों के उपभोग हेतु मजबूत घरेलू बाजार मौजूद है। शीर्ष वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों द्वारा समर्थित मजबूत तकनीकी और इंजीनियरिंग क्षमताएं देश में मौजूद हैं तथा विदेशी निवेशकों के लिए खुले अच्छी तरह विनियमित और स्थिर वित्तीय बाजार भी उपलब्ध है। इन सभी विशेषताओं के चलते आगे आने वाले कई दशकों तक भारत की आर्थिक विकास दर स्थिर रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत में विनिर्माण के क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। मध्यम अवधि में विनिर्माण क्षेत्र में 12-14 प्रतिशत प्रतिवर्ष की वृद्धि दर हासिल हो। आगे आने वाले कुछ वर्षों में देश के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत तक पहुंच जाए। विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के 10 करोड़ नए अवसर निर्मित हों। भारत में समावेशी विकास के लिए ग्रामीण प्रवासियों और शहरी गरीबों के बीच उचित कौशल का विकास किया जाय। घरेलू मूल्य संवर्धन और निर्माण में तकनीकी का उपयोग बढ़े। भारतीय विनिर्माण उद्योग वैश्विक स्तर पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बने। विनिर्माण के क्षेत्र में विशेष रूप से पर्यावरण के सम्बंध में जागरूकता सुनिश्चित हो।

भारत में केंद्र सरकार द्वारा उक्तवर्णित मानदंडों को हासिल करने के उद्देश्य से कई उपाय किए हैं जिसके कारण कई भारतीय औद्योगिक कम्पनियां वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनती जा रही हैं और अब अन्य देशों की औद्योगिक कम्पनियों को टक्कर देने में सक्षम हो रही है जिसका प्रभाव इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर विपरीत रूप से पड़ने लगा है। इसके कारण विशेष रूप से चीन भारत के विरुद्ध षड्यंत्र करने से बाज नहीं आ रहा है। जैसे, अभी हाल ही में अमेरिका के सबसे बड़े समाचार पत्रों में से एक द न्यूयॉर्क टाइम्स में एक समाचार प्रकाशित हुआ है, जिसके अनुसार चीन कुछ मीडिया संस्थानों को प्रभावित करते हुए भारत के विरुद्ध दुष्प्रचार को बढ़ावा दे रहा है।

पितृसत्ता के दंश, अपमान के खिलाफ महिला शक्ति का जागरण

रीतारानी पालीवाल

जब कौरव सभा में द्रौपदी को निर्वसन कर अपमानित करने का प्रयास किया गया तो सभा में मौजूद उसके पांच पति, भीष्म पितामह, विदुर और द्रोणाचार्य सिर झुकाए मौन बैठे रहे। द्रौपदी के प्रतिरोध और दृढ़तापूर्वक प्रतिवाद के बावजूद कोई नीति मर्मज्ञ, कोई योद्धा उस असहाय की सहायता के लिए नहीं उठा। आखिर द्रौपदी को कृष्ण से गुहार लगानी पड़ी और कृष्ण को अदृश्य रह कर युक्ति पूर्वक उसकी सहायता करनी पड़ी। पुरुष वर्चस्व के इस अत्याचारपूर्ण प्रदर्शन की गूंज को सभा में मौजूद आंखों पर पट्टी बांधे बैठी माता गांधारी भी चुपचाप सुनती रहीं, स्त्री के अपमान का सख्ती से विरोध किए बगैर!

अहल्या, द्रौपदी, तारा, सीता और मंदोदरी बहुत बुद्धिमान हैं लेकिन लोकमन ने कौरव सभा में हुए इस अत्याचार की अनदेखी नहीं की। इसका प्रमाण है यह श्लोक- अहल्या द्रौपदी तारा सीता मंदोदरी तथा/ पंचकन्याः स्मरेन्नित्यं महापताकनाशनं। सुभाषित कोश में उपलब्ध यह श्लोक भारतीय इतिहास की सर्वाधिक प्रताड़ित स्त्रियों के प्रति किए गए अन्याय से उपजे अपराधबोध की आत्म-स्वीकृति और क्षमायाचना है। पितृसत्ता का दंश झेलती ये पांचों स्त्रियां अत्यधिक बुद्धिमान हैं जो न केवल पुरुष को समुचित सलाह देती हैं, बल्कि वक्त आने पर अपना पक्ष रखती हुई प्रश्न उठाती हैं।

भारतीय मन में इन स्त्रियों के प्रति चले आ रहे सहिष्णुता और सम्मान का प्रमाण यह है कि लोकभाषा रूप में इस श्लोक अभी भी उपस्थिति (प्रातः लीजे पंच नाम/ अहल्या तारा) और आधुनिक साहित्य में इनसे जुड़े प्रसंगों पर सवालिया निशान लगाए गए हैं। रामधारी सिंह दिनकर ने लिखा है- नर की कीर्ति ध्वजा उसी दिन कटी देश में जड़ से/ नारी ने सुर को टेरा जिस दिन निराश हो नर से, कुरुक्षेत्र। प्रसंग के मुताबिक, वह राजतंत्र का जमाना था। भीष्म, विदुर या द्रोणाचार्य शर्म से सिर झुकाए बैठे रहे। राजा के समक्ष मुंह नहीं खोल सके। द्यूत क्रीड़ा में पराजित यशस्वी पांडव मुंह लटकाए बैठे रहे। लेकिन अपमान का दंश तो स्त्री ने झेला। द्रौपदी महारानी थी। उसकी व्यथा-कथा को समाज की संवेदना मिली, सम्मान मिला। उसकी सहायता के लिए कृष्ण मौजूद थे। न जाने कितनी महिलाएं ऐसे अपमान-अत्याचार को युगों-युगों से सहती आई हैं। उनकी व्यथा-कथा इतिहास में दर्ज नहीं है। इसी को देखते हुए आधुनिक भारतीय नवजागरण काल में सती-प्रथा, बाल-विवाह, विधवाओं का सामाजिक शोषण और ऐसी ही अनेक कुप्रथाओं के विरुद्ध बुलंद आवाज उठी और समाज-सुधार हुए।

पर आज हम लोकतंत्र के नागरिक हैं। विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बन रहे हैं। स्त्री-पुरुष को सम्मानपूर्वक जीने का समान अधिकार है। हमारे पास मानवाधिकार आयोग है, राष्ट्रीय महिला आयोग है, समाज में शिक्षा का व्यापक प्रसार है, महिला सशक्तीकरण की बात जोर-शोर से की जाती है। देश के उच्चतम पदों पर महिलाएं आसीन हैं। फिर भी स्त्री के सम्मान की रक्षा के प्रति समाज की जबावदेही पर सवालिया निशान लगा हुआ है।

स्त्रियों, छोटी बच्चियों के अपमान-बलात्कार, हिंसा की घटनाएं अक्सर सुनाई-दिखाई देती रहती हैं और न जाने कितने मामले अनकहे-अनसुने रह जाते होंगे। गरीब, दलित स्त्री के पति के समक्ष उसे निर्वसन कर घुमाना संपन्न पुरुष अहं की तुष्टि करता होगा। ऐसी खबरें पढ़ कर हर संवेदनशील व्यक्ति का दिल दहलता रहा है। इन घटनाओं की खबर मिलने पर जब-तब थोड़ी-बहुत कानूनी कार्रवाई भी होती सुनी गई है, लेकिन हमारा समाज नहीं सुधरता दिखाई देता। शक्ति और पौरुष का दंभ रह-रह कर जोर मारता है। चिंता की बात यह है कि पुरुष द्वारा स्त्री के प्रति दरिंदगी का यह अत्याचार घटने के बजाय बढ़ता दिखाई दे रहा है। दलित-आदिवासी स्त्री पर यह दंश और ज्यादा दिखाई देता है जो न केवल पुरुष वर्चस्व, बल्कि सामंती मानसिकता और अहंकार के साथ-साथ यह शिक्षा और विकास के बावजूद हमारी संवेदना-सहिष्णुता के ह्रास का सूचक है।

पिछले दिनों ही पश्चिम बंगाल के मालदा में एक स्त्री को चोरी करने के इल्जाम के कारण निर्वसन करने के बाद घुमाया गया, ताकि उसे सबके सामने शर्मिंदा किया जा सके और वह अपने ऊपर लगे आरोप (सही अथवा गलत) को कबूल कर ले। राजस्थान में एक शिक्षण संस्थान में दलित युवती से सामूहिक बलात्कार किया गया। उत्तर-पूर्व भारत में एक बार फिर से इस दरिंदगी की पुनरावृत्ति अत्यंत हृदय-विदारक है। लंबे समय तक कोई भी कानूनी कारवाई न होना और फिर राज्य के सत्तासीन अधिकारियों द्वारा इसे राज्य में घटित होने वाली आम घटना कह दिया जाना जले पर नमक की तरह प्रतीत होता है। हर तरह से प्रगति करता इक्कीसवीं सदी का भारत स्त्री का वस्तुकरण किए जाने और उससे कुकर्म को सहज स्वीकार्य कैसे मान सकता है, समझ में नहीं आता। आम भारतीय लोग देश के अन्य भागों की तुलना में पूर्वोत्तर भारत के विषय में अपेक्षाकृत कम जानते हैं। आजादी के बाद पूर्वोत्तर के प्रदेश भारतीय गणतंत्र में शामिल तो कर लिए गए, लेकिन उनकी विशिष्ट समस्याओं की खास विलक्षणताओं का ऐसा समाधान नहीं हो पाया जो सर्वस्वीकार्य होता। आशा और भरोसा है कि भारतीय समाज अपनी भूलों से सबक लेगा।

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मोनिया यादव
पार्षद रामनगर भाजपा

मनोज यादव
पूर्व सभासद

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शाखा प्रबंधक
श्री सुनील यादव

सहायक प्रबंधक
श्री पंकज कुमार
इंडियन बैंक शाखा-चंदवक

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 1999 अनुक्रमांक रोल न. 1622507 का अंकपत्र वास्तव में खो गया है। **अम्बरीश कुमार सिंह पुत्र नंदकिशोर सिंह पता- ग्राम व पोस्ट- डबरिया, धानापुर, चंदौली यूपी।**

नाम संशोधन हेतु

मैं प्रार्थी मोहम्मद जावेद MOHAMMAD JAVED जो कि गलतीवश नाम मो. जावेद MD JAVED हो गया है। जबकि सही नाम मोहम्मद जावेद है।

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

लक्ष्मीकांत मिश्रा उर्फ किसमिस गुरु
लक्ष्मीकांत मिश्रा उर्फ किसमिस गुरु
पूर्व जिलाध्यक्ष समाजवादी लोहिया वाहिनी
MD होटल आदेश पैलेस

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अभिषेक सिंह (राजू सिंह)
अटहरपार
बिरिबारी जौनपुर

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ललन सोनकर
भाजपा पार्षद वार्ड नंबर 13
रामपुर रामनगर वाराणसी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सदानन्द सिंह उर्फ जुगुल
प्रधान
सिधौनि

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पुरुषार्थ आयरन एंड बिल्डिंग मटेरियल
विश्वेश स्टोन वर्क
मुजडीह अहरौरा मिजार्पुर
प्रो. डा नाहर सिंह

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आजाद दुबे
अधिवक्ता समाजसेवी
सामनेघाट लंका वाराणसी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

देवेन्द्र कुमार सिंह
प्रधान प्रतिनिधि
बिसौरी

समस्त क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मे0 श्यामधर इंटरप्राइजेज
क्रशर प्लांट कंचनपुर, अहरौरा मिजार्पुर
प्रो. छत्रबली सिंह
विकास सिंह, सोनू सिंह
प्लांट प्रशासक

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अजीत कुमार
सहायक विकास अधिकारी
(पंचायत)
विकास खंड डोभी जौनपुर

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राजाराम स्मृति पी.जी कालेज
के.डी. महाविद्यालय
पतरही चौकी से 1 कि.मी. मौधा मार्ग
पर चाँदपुर, सिंगारपुर- गाजीपुर उ.प्र.

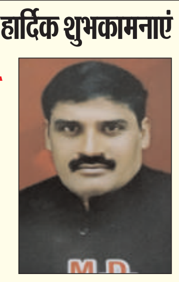

M.D
Er. Anil Yadav

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दयाशंकर सिंह 'कक्कू'
प्रबंधक
माँ दुर्गा गर्ल्स कालेज
मूर्खा, डोभी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रामललित यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम सभा मीरापुर
विकासखंड नरायनपुर, अहरौरा मिजार्पुर

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जितेंद्र यादव
समाजसेवी
सीरगोवर्धनपुर
वाराणसी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अजय प्रकाश सिंह
उर्फ के.डी. सिंह
पूर्व ब्लाक प्रमुख, डोभी प्रमुख
प्रतिनिधि वरिष्ठ समाज सेवी

समस्त क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पुरुषार्थ स्टोन वर्क
प्रो. दिग्विजय सिंह
सोनपुर अहरौरा, मिर्जापुर

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

MOUNT LEARNER ACADEMY
BAJARANG NAGAR, DOBHI, JAUNPUR
Affiliated to CBSE (L.K.G. to 10+2)
Affiliation No.: 2133309

Principal
Mr. Saurabh Singh

Chairman
Mr. Shilendra Kumar Singh

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मुकेश कुमार कसेरा
समाजसेवी रामनगर वाराणसी
पूर्व उपाध्यक्ष युवा मोर्चा पूर्व
संयोजक हिंदु युवा वाहिनी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आलोक कुमार रघुवंशी
(अध्यक्ष)
प्राथमिक शिक्षक संघ
डोभी जौनपुर

समस्त क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मैसर्स- चंदपुरा क्रेशर एंड कंस्ट्रक्शन
धूरियां अहरौरा मिर्जापुर
प्रो. विकास सिंह
बंटी सिंह
प्लांट प्रशासक- मो. 9026092304

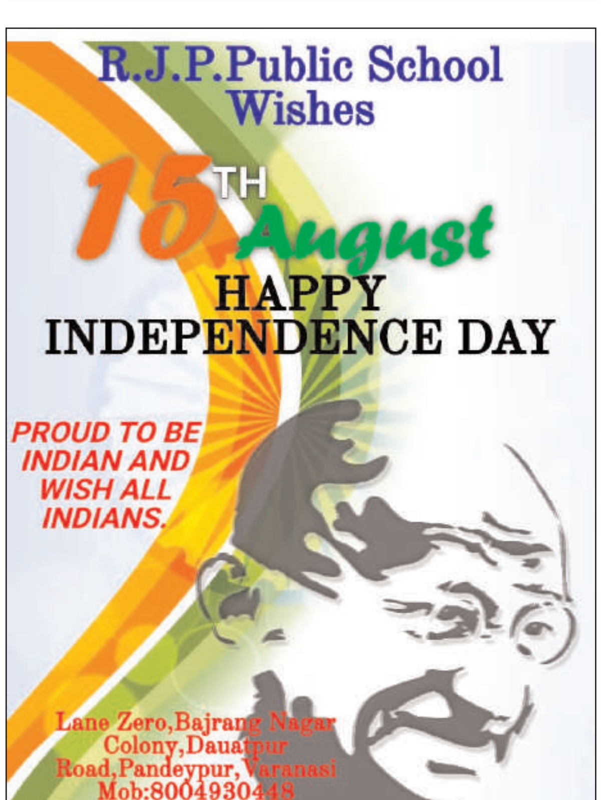

सभी काशीवासियों को श्री रामेश्वर पैराडाइज लॉन एवं गेस्ट हाउस (श्री रामेश्वर पेट्रोल पंप) कोदोपुर रामनगर की ओर से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

उदभव केशरी
मो.नं.- 9569945456, 6388645233

बासुकीनाथ में भक्तों की होती है 'फौजदारी' मामलों की सुनवाई

■ दुमका (झारखंड),(आईएएनएस)।

तीर्थनगरी देवघर स्थित द्वादश ज्योर्तिलिंग बाबा बैद्यनाथ और सुल्तानगंज की उत्तर वाहिनी गंगा तट पर स्थित बाबा अजगैबीनाथ के साथ दुमका जिला में बाबा बासुकीनाथ धाम की गणना बिहार और झारखंड ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के शैव स्थल के रूप में होती है। भगवान शिव के ज्योर्तिलिंगों में से एक झारखंड के देवघर स्थित कामना ज्योर्तिलिंग (बैद्यनाथ धाम) में जलाभिषेक करने वालों की पूजा बासुकीनाथ (नागेश) की पूजा बिना अधूरी मानी जाती है। यही कारण है कि बैद्यनाथ धाम आने वाले कांवड़िये बासुकीनाथ का जलाभिषेक करना नहीं भूलते।

मान्यता है कि बाबा बैद्यनाथ के दरबार में यदि दीवानी मुकदमों की सुनवाई होती है तो बासुकीनाथ में फौजदारी मुकदमों की। शिव भक्तों का विश्वास है कि बाबा बैद्यनाथ के दरबार की अपेक्षा बाबा नागेश के दरबार में सुनवाई जल्द पूरी हो जाती है। इस पावन धाम में श्रावणी मेला के दौरान केसरिया वस्त्रधारी कांवड़ियों और तीर्थयात्रियों की खास चहल-पहल रहती है। सावन के महीने में तो लाखों श्रद्धालु सुलतानगंज-अजगैबीनाथ से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल अपनी कांवड़ में भरते हैं। फिर 105 किलोमीटर से भी अधिक दूर पहाड़ के जंगली रास्ते पैदल पार कर इसे देवघर में बैद्यनाथ ज्योर्तिलिंग पर चढ़ाते हैं। इसके बाद वे बासुकीनाथ आकर नागेश ज्योर्तिलिग पर जलाभिषेक करते हैं। माना जाता है कि वर्तमान दृश्य मंदिर की स्थापना 16वीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में हुई। हिंदुओं के कई ग्रंथों में सागर मंथन का वर्णन किया गया है, जब देवताओं और असुरों ने मिलकर सागर मंथन किया था। बासुकीनाथ मंदिर का इतिहास भी सागर मंथन से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि सागर मंथन के दौरान पर्वत को मथने के लिए वासुकि नाग को माध्यम बनाया गया था। इन्हीं वासुकि नाग ने इस स्थान पर भगवान शिव की पूजा अर्चना की थी। यही कारण है कि यहां विराजमान भगवान शिव को बासुकीनाथ कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर के विषय में एक स्थानीय मान्यता भी है। कहा जाता है कि कभी यह वन क्षेत्र से आच्छादित था जिसे दारुक वन कहा जाता था। कुछ समय के बाद यहां मनुष्य बस गए जो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दारुक वन पर निर्भर थे। ये मनुष्य कंदमूल की तलाश में वन क्षेत्र में आया करते थे। इसी क्रम में एक बार बासुकी नाम का एक व्यक्ति भी भोजन की तलाश में जंगल आया। उसने कंदमूल प्राप्त करने के लिए जमीन को खोदना शुरू किया।

तभी अचानक एक स्थान से खून बहने लगा। बासुकी घबराकर वहां से जाने लगा तब आकाशवाणी हुई और बासुकी को यह आदेशित किया गया कि वह उस स्थान पर भगवान शिव की पूजा अर्चना प्रारंभ करे। बासुकी ने जमीन से प्रकट हुए भगवान शिव के प्रतीक शिवलिंग की पूजा अर्चना प्रारंभ कर दी, तब से यहां स्थित भगवान शिव बासुकीनाथ कहलाए। बासुकीनाथ मंदिर में बाबा भोले नाथ का दरबार स्थित है। बासुकीनाथ धाम में शिव और पार्वती मंदिर एक दूसरे के आमने-सामने हैं। बासुकीनाथ तांत्रिकों की साधना का महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। अपनी मन्नत लिए आस्थावान यहां धरने पर बैठते हैं। मान्यता है कि नागेश उनकी मन्नत धरने पर बैठने के बाद अवश्य पूरी करते हैं। बासुकीनाथ मंदिर का इलाका पूरे सावन में बोल-बम के नारों से गुंजायमान रहता है।

■ कहा जाता है कि कभी यह वन क्षेत्र से आच्छादित था जिसे दारुक वन कहा जाता था। कुछ समय के बाद यहां मनुष्य बस गए जो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दारुक वन पर निर्भर थे।

बिना बगीचे के भी पा सकते हैं प्रकृति का साथ

■ गिल्डफोर्ड (द कन्वरसेशन)।

बगीचे में समय बिताना आपके लिए अच्छा है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप उद्यान में पौधों को पानी देते हैं या वहां लगी बेंच पर आराम फरमाते हैं, बगीचे के सानिध्य में रहने के तमाम लाभ हैं। इन लाभों में स्वास्थ्य में सुधार, तंदुरुस्ती, मानसिक परेशानी में कमी और निद्रा की गुणवत्ता बढ़ना आदि शामिल हैं।

जो लोग बगीचे में समय बिताते हैं वे कम तनाव महसूस करते हैं और अधिक शारीरिक गतिविधि करते हैं। अनुसंधान में खुलासा हुआ है कि ऐसे लोग अधिक फल और सब्जिया खाते हैं। परंतु सभी के लिए बगीचे तक जाना संभव नहीं हैं। मुद्रास्फीति के कारण आय घट रही है, बगीचे के साथ मकान खरीदना पहले से कहीं अधिक कठिन हुआ है खासतौर पर युवा लोगों के लिए और किराए पर रहने वालों के लिए यह हमेशा संभव नहीं हो सकता कि घर के बाहर बागवानी के लिए स्थान हो।

इंग्लैंड में 2021 से कराए गए सर्वेक्षण में खुलासा हुआ कि 65 साल से अधिक उम्र के लोगों के मुकाबले 16 से 24 साल की उम्र के लोगों के बारे में दो गुनी संभावना है कि उनकी पहुंच बगीचे तक नहीं हो। ऐसा पाया गया है कि ब्रिटेन में बुजुर्गों या अमीर लोगों के मुकाबले युवाओं और कम आय वाले लोगों के लिए बगीचे तक पहुंच मुश्किल हुआ है।

परंतु बगीचे तक पहुंच नहीं होने से निराश होने की जरूरत नहीं है। ऐसे तमाम तरीके है। जिनके जरिये आप अपने घर के आसपास ही बगीचे में जाए बिना प्रकृति का लाभ उठा सकते हैं। अनुसंधान के मुताबिक तीन रास्ते हैं जिनसे आप अपने जीवन में प्रकृति को आत्मसात कर सकते हैं।

घर में ही लगाएं कुछ पौधे : घर में ही पौधों को लगाना प्रकृति को अपने घर में लाने का सबसे बेहतर तरीका है, खासतौर पर अगर बाहर जगह नहीं हो। प्रकृति के अन्य स्वरूपों की तरह ही घर के भीतर लगाए जाने वाले पौधे रक्तचाप को कम करने और तनाव कम करने में सहायक होते हैं। घर में पौधे लगाने से स्थान और अधिक आकर्षक बनता है और यह वह स्थान होता है जहां पर आप अधिक समय व्यतीत करना चाहते हैं। एक अध्ययन में सामने आया कि विद्यार्थी उन कमरों में पढ़ाई को तरजीह देते हैं जहां पर गमले में पौधे लगे होते हैं बजाय ऐसे कमरों में जहां हरियाली नहीं होती। कई लोग घर में लगे पौधों की देखभाल को महत्व देते हैं फिर चाहे उनमें पानी डालना हो, खाद डालना हो या फिर उनकी छंटाई करनी हो।

घर के भीतर लगे पौधे तब भी मददगार साबित होते हैं जब आपको अधिक समय घर के भीतर ही बिताना हो। कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान चीन के शंघाई में घरों में लगे पौधों ने लोगों में अकेलेपन के भाव और अवसाद के लक्षणों में कमी लाने में मदद की। अगर आप लंबा समय घर में काम करने या पढ़ने में बिताते हैं तो मकान में लगे पौधे आपकी कार्य क्षमता को बेहतर बनाते हैं। कार्यालय में भी जिन कर्मचारियों के आसपास पौधे लगे होते हैं उनके बारे में पाया गया कि जरूरत पड़ने पर वे बेहतर प्रदर्शन करते हैं। नार्वे के कार्यालयों में कार्य करने वाले कर्मचारियों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि कमरे में पौधे होने पर कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ती है और चिकित्सा अवकाश की संख्या कम होती है। घरों में कौन से पौधे लगाए जाएं यह चुनाव करना मुश्किल होता है लेकिन कई ऑनलाइन गाइड हैं जो आपको सही पौधे चुनने में मदद करेंगी।

उद्यान में जाएं

प्रकृति की मौजूदगी जैसे पौधे, वृक्ष, प्राकृतिक ध्वनियां यथा चिड़ियों की चहचहाट और बहते पानी की कलकल आदि वह सब चीजें हैं जो हमे उद्यान के बेहतर होने का अहसास कराती हैं। अनुसंधान से खुलासा हुआ कि प्रकृति के संपर्क में रहने से तनाव और अवसाद कम हो सकता है, कार्य और शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार हो सकता है और आरोग्यता बढ़ती है जिससे अंततः लंबी जिंदगी जीने में मदद मिलती है। बगीचे एकमात्र ऐसा स्थान नहीं हैं जहां प्रकृति की यह खुराक मिलती है बल्कि प्रकृति के ये लाभ कई शहरी उद्यान और यहां तक छोटे पार्क भी प्रदान करते हैं।

ये पार्क निर्मल स्थान से कहीं अधिक महत्वपूर्ण स्थान हैं। ये वह स्थान पर हैं जहां पर मित्र और परिवार के सदस्य मिलते हैं खासतौर पर उन उद्यानों में जहां पर मेज और टेबल आदि की व्यवस्था हो। इस तरह के सामाजिक संबंध स्थापित करने के कई और स्वास्थ्य लाभ भी हैं।

कई लोगों के घर के पास ही उद्यान है। आम तौर पर सभी लोगों के घरों से महज पांच दस मिनट की पैदल दूरी पर सार्वजनिक पार्क है जबकि 72 प्रतिशत लोगों के 15 मिनट की पैदल दूरी पर सार्वजनिक पार्क हैं। हालांकि, असमानता यहां भी है। अमीर इलाकों में बने शहरी उद्यानों की गुणवत्ता सामाजिक आर्थिक आबादी के इलाकों में बने उद्यानों के मुकाबले कहीं बेहतर है।

गूगल ने श्रीदेवी की 60वीं सालगिरह पर बनाया डूडल

मुंबई, (वार्ता)। गूगल ने श्रीदेवी की 60वीं बर्थ एनिवर्सरी पर श्रद्धांजलि देते हुए उनका खूबसूरत डूडल बनाया है।

दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की 60वीं बर्थ एनिवर्सरी पर उनके चाहने वाले उन्हें याद कर रहे है। गूगल ने श्रीदेवी की बर्थ एनिवर्सरी पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है।गूगल ने डूडल के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। गूगल ने अपने होमपेज पर श्रीदेवी का एक खूबसूरत चित्रण बनाकर उन्हें याद किया है।

श्रीदेवी का मूल नाम श्रीयम्मा आयंगर था। उनका जन्म 13 अगस्त 1963 को तमिलनाडु के एक छोटे से गांव मीनमपटी में हुआ था। श्रीदेवी ने अपने सिने करियर की शुरूआत महज चार वर्ष की उम्र में एक तमिल फिल्म से की थी। वर्ष 1976 तक श्रीदेवी ने कई दक्षिण भारतीय फिल्मों में बतौर बाल कलाकार काम किया। बतौर अभिनेत्री उन्होंने अपने करियर की शुरूआत तमिल फिल्म 'मुंदरू मुदिची' से की। श्रीदेवी ने 24 फरवरी 2018 को दुबई में अंतिम सांस ली थी।

'गदर 2' ने की दो दिन में 83.18 करोड़ की कमाई

मुंबई, (भाषा)। सनी देओल, अमीशा पटेल और उत्कर्ष शर्मा अभिनीत फिल्म 'गदर 2' ने दो दिन में 83.18 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म निर्माताओं ने रविवार को यह जानकारी दी। 'गदर 2', वर्ष 2001 में आई सुपरहिट फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' की अगली कड़ी है। फिल्म का निर्देशन अनिल शर्मा ने किया है। यह फिल्म शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म निर्माताओं ने एक प्रेस नोट में कहा, 'सनी देओल का जादू बॉक्स ऑफिस पर छाया हुआ है, पहले दिन रिकॉर्ड कमाई करने के बाद फिल्म ने दूसरे दिन 43.08 करोड़ रुपये की कमाई की है। यह अब 2023 में सबसे तेज गति से 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने की ओर है।'

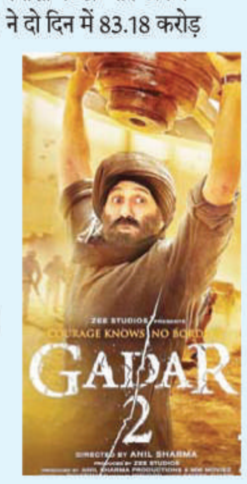

चोर ने दूसरे वाहन पर एयरटैग लगाकर सबको चक्कर में डाला

सैन फ्रांसिस्को, (आईएएनएस)। अपनी चोरी हुई कार का पता लगाने की एक महिला की कोशिश में अप्रत्याशित मोड़ सामने आया है। दरअसल चोर ने कार में छिपे हुए एप्पल एयरटैग को ढूंढा और ध्यान भटकाने के लिए चालाकी से दूसरे किराये के वाहन में रख दिया। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। वैंकूवर की सुबह की यात्रा के दौरान बेक्का हिसलोप और उसके प्रेमी को पता चला कि उनकी कार चोरी हो गई है। हिसलोप जानती थी कि चोरी हुई कार का पता लगाया जा सकता है क्योंकि उसने अपनी कार में एक एयरटैग छिपा रखा था। शहर के ट्रैफिक में एयरटैग सिग्नल को घूमते हुए देखने के बाद, हिसलोप ने अगले दिन इसका उपयोग उस वाहन का पता लगाने के लिए किया जिसे वह अपना मानती थी। जब वह केलोना वाइनरी पहुंची जहां एयरटैग ट्रैक हुआ था। मौके पर पहुंचने पर उसे एहसास हुआ कि चोर इतना चालाक था कि उसने एयरटैग को ढूंढकर किसी किराये की कार से अटैच कर दिया। हालांकि वह अपनी कार के चोरी होने पर उसकी निगरानी के लिए एयरटैग का उपयोग नहीं कर सकी, जबकि वैंकूवर पुलिस ने काफी जद्दोजहद के बाद उसकी कार का पता लगा लिया। पुलिस रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने जब एक पीड़ित ने एयरटैग का उपयोग कर वाहन को फिर से प्राप्त करने का प्रयास किया था, तो खुलासा हुआ कि चार लोगों ने एक कार चोरी करके ड्राइवर की हत्या कर दी थी।

रिजर्व बैंक ने नहीं बढ़ाई ब्याज दर, फिर भी महंगे हो रहे हैं बैंकों के लोन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ने रीपो रेट को 6.50 प्रतिशत पर बरकरार रखते बैंकों के लिए ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया, लेकिन कई सरकारी बैंकों ने अपनी लेंडिंग रेट बढ़ा दी। बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, बैंक ऑफ महराष्ट्र ने एमसीएलआर लोन दर में 0.10 प्रतिशत तक की वृद्धि की है।

- कई सरकारी बैंकों ने अपनी लेंडिंग रेट बढ़ा दी

बैंकों के इस कदम से एमसीएलआर से जुड़ी मासिक किस्त बढ़ जाएगी। बैंक ग्राहकों को न तो इस बारे में बताते है कि रेट में बढ़ोतरी का उनके ईएमआई पर क्या असर होगा और न ही उन्हें लोन रिसेट करने का ऑप्शन देते हैं। जब भी रेट बढ़ते हैं ग्राहकों से कम्यूनिकेट किए बिना उनका टेन्योर इतना बढ़ाते जाते हैं कि उसे चुकाने में वर्षों लग जाते हैं। ऐसे में आरबीआई की टेन्योर को रिसेट करने की गाइडलाइन आने के बाद कस्टमर्स के लिए बहुत राहत भरा कदम होगी।'

बैंकों के इस कदम से एमसीएलआर से जुड़ी मासिक किस्त बढ़ जाएगी

क्या है ईएमआई पर प्रस्ताव

आरबीआई के अनुसार अगर जरूरी न हो तो लोन के लंबे टेन्योर से बचने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कर्ज भुगतान की अवधि बढ़ाने का मामला अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग हो सकता है। बैंकों को ऐसे मामलों की निगरानी करने की जरूरत है। बैंक बोर्ड को इनडिविजुअल की क्षमता को ध्यान में रखते हुए लोन की अवधि तय करने की जरूरत है। आरबीआई जल्द ही इस पर विस्तार से गाइडलाइंस जारी करेगा।

किसने कितनी बढ़ाई

बैंक ऑफ बड़ौदा ने एमसीएलआर में 5 बीपीएस की बढ़ोतरी की है। बीओबी ने शेयर बाजार को बताया कि एक साल की एमसीएलआर को संशोधित कर 8.70 प्रतिशत किया गया है। यह अभी 8.65 प्रतिशत है। नई दरें 12 अगस्त से प्रभावी होंगी। वहीं केनरा बैंक ने भी एमसीएलआर में 0.05 प्रतिशत की वृद्धि की है। यह अब बढ़कर 8.70 प्रतिशत हो गई है। नई दर 12 अगस्त से प्रभावी होगी। बैंक ऑफ महाराष्ट्र(बीओएम) ने एमसीएलआर में 0.10 प्रतिशत की वृद्धि की है।

संशोधित दरें प्रभावित : बीओएम ने शेयर बाजार को बताया, इसके साथ ही एक साल की एमसीएलआर 8.50 प्रतिशत से बढ़कर 8.60 प्रतिशत हो गई है। संशोधित दरें 10 अगस्त से प्रभावी हैं। बैंकों के इस कदम से एमसीएलआर से जुड़ी मासिक किस्त बढ़ जाएगी, क्योंकि, इससे संबंधित बेंचमार्क दरों से जुड़े टर्म लोन पर ईएमआई भी बढ़ने की संभावना है।

एमसीएलआर आधारित ब्याज दरें होंगी प्रभावित

हालांकि विभिन्न बैंकों द्वारा एमसीएलआर बढ़ोतरी किए जाने से केवल वे ग्राहक प्रभावित होंगे, जिनकी ब्याज दरें एमसीएलआर पर आधारित हैं। दरअसल 1 अक्टूबर 2019 से बैंकों को अपने लोन पर ब्याज दरों को बाहरी बेंचमार्क से जोड़ने की छूट दी गई है, इसलिए रीपो रेट बेस्ड लोन लेने वाले ग्राहकों पर इसका कोई असर नहीं होगा, यानी उनकी लोन की ईएमआई नहीं बढ़ेगी।

सूरजमुखी तेल की मांग के मुकाबले आयात अधिक

आयातित खाद्य तेलों की भरमार से बीते सप्ताह थोक कीमतों में गिरावट

- सूरजमुखी तेल का थोक भाव अन्य तेल के मुकाबले काफी कम
- मूंगफली तेल और तिलहन की कीमतों में तेजी आई
- त्योहारी दिनों की मांग को लेकर अभी से सकर्त कारोबारी

देश में सस्ते आयातित तेलों की भरमार के बीच बीते सप्ताह तेल तिलहन बाजार में अधिकांश खाद्यतेल तिलहनों के थोक भाव में गिरावट आई, जबकि माल की कमी और मांग बढ़ने के कारण मूंगफली तेल तिलहन कीमतों में सुधार आया।

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देश में मूंगफली और बिनौला के अच्छे तिलहन की कमी है और अभी तक सूरजमुखी के अत्यधिक आयात से इन दो तेलों की कमी पूरी हो रही थी, लेकिन लागत के मुकाबले कम भाव में बिकवाली के नुकसान के कारण आयात कम होने की आशंका है। ऐसे में त्योहारी दिनों की मांग को लेकर अभी से सचेत रहना होगा।

बिनौला व मूंगफली तेल की कमी

बाजार सूत्रों ने कहा कि देश में विशेषकर सूरजमुखी तेल का मांग के मुकाबले कहीं ज्यादा आयात हो रखा है और इस तेल का थोक भाव बाकी तेलों से काफी सस्ता भी है। इसके कारण कोई तेल तिलहन उठ नहीं पा रहे। यह बिनौला और मूंगफली तेल की कमी को फिलहाल पूरा कर रहा है।

बंदरगाहों में सस्ते पर बेचा जा रहा

एक परिस्थिति तो यह है कि सोयाबीन और सूरजमुखी के आयात की जो लागत बैठती थी, उसके मुकाबले वही तेल यहां देश के बंदरगाहों पर सस्ते में बेचा जा रहा था, ताकि बैंकों के ऋण साख-पत्र (एलसी या लेटर आफ क्रेडिट) को चलाते रहा जा सके।

उपभोक्ताओं को ऊंचे दाम पर तेल खरीदना पड़ रहा

बड़ी कंपनियों और पैकरों के अधिक एमआरपी होने के कारण उपभोक्ताओं को तेल ऊंचे दाम में खरीदना पड़ रहा है। थोक भाव 200 रुपये टूटकर 5,600-5,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 620 रुपये टूटकर 10,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पामोलीन तेल की भारी खेप बंदरगाहों में जाम : इस कम भाव में बिकवाली से जो नुकसान हो रहा था, उससे काफी कम नुकसान कच्चा पामतेल और पामोलीन के आयात में हो रहा था। इस परिस्थिति के कारण आयातक अपने 'एलसी' को चलाते रहने के लिए कम नुकसान होने वाले पाम एवं पामोलीन तेल के आयात की ओर मुड़ गये और बंदरगाहों पर इनकी बड़ी मात्रा में खेप खड़ी हैं और इसे खाली नहीं किया जा सका है।

जून में हुआ खाद्य तेलों का भारी आयात

सूत्रों ने कहा कि जून में खाद्यतेलों का भारी आयात हुआ था जो जुलाई में यहां पहुंचा था। इस आयात में पाम एवं पामोलीन का कहीं अधिक आयात हुआ था और जून के मुकाबले सोयाबीन तेल का आयात लगभग 22 प्रतिशत कम हुआ था। अर्जेन्टीना और ब्राजील से देश के बंदरगाह पर इन खाद्यतेलों के आने और बाद में जहाज को खाली करने में 35-45 दिन का समय लगता है।

भारत के किसान नाजुक दौर से गुजर रहे

विश्व में खाद्यतेल के सबसे बड़े आयातक देश, भारत का तेल उद्योग और तिलहन किसान बेहद नाजुक दौर से गुजर रहे हैं और इसे संभालना कठिन काम हो जायेगा। सरकार अगर खाद्यतेल सस्ता ही बिकवाना चाहती है तो उसे केवल थोक बिक्री दाम की गिरावट के बजाय जमीनी हकीकत पर भी नजर रखनी होगी कि थोक बिक्री दाम में आई गिरावट का लाभ उपभोक्ताओं को मिल भी रहा है या नहीं।

आगामी त्योहारों में यात्री वाहनों की बिक्री बढ़ने की उम्मीदः टाटा

- त्योहारों का मौसम 17 अगस्त से शुरू होकर 14 नवंबर तक चलेगा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

त्योहारों के दौरान इस साल घरेलू यात्री वाहन की बिक्री के 10 लाख इकाई का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है। इस वर्ष 68 दिन के त्योहारों का मौसम 17 अगस्त से शुरू होकर 14 नवंबर तक चलेगा। हालांकि, इस अवधि में कुछ दिन खरीदारी के लिए शुभ नहीं माने जाते। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन व बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने बताया कि आमतौर पर त्योहारों के दौरान बिक्री बढ़ जाती है, जो पूरे वर्ष होने वाली बिक्री का करीब 22-26 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, ' इस वित्तीय वर्ष में यात्री वाहन की कुल बिक्री 40 लाख इकाई के दायरे में रहने की उम्मीद है, त्योहारों के दौरान करीब 10 लाख इकाइयों की बिक्री होने की उम्मीद है।'

श्रीवास्तव ने कहा कि इस साल उद्योग में मजबूत बिक्री देखी गई और आने वाले महीनों में भी इसके जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'हमने इस वित्तीय वर्ष में बिक्री के मामले में अप्रैल, मई, जून और जुलाई में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन देखा है। जुलाई में करीब 3.52 लाख इकाइयों की एक महीने में अब तक की दूसरी सबसे अधिक बिक्री देखी गई। अगस्त में भी इसके 3.5 लाख इकाइयों के आसपास रहने की उम्मीद है।'

वाहन ऋण की उच्च दर चिंता का विषय

वाहन ऋण की उच्च दर भी चिंता का विषय है क्योंकि करीब 83 प्रतिशत उपभोक्ता कार खरीदने के लिए कर्ज लेते हैं। मारुति सुजुकी इंडिया के बिक्री अनुमानों के बारे में पूछे जाने पर श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी को त्योहारों के दौरान बिक्री उनकी कुल वार्षिक बिक्री का करीब 22-25 प्रतिशत होती है। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) ने त्योहारों के दौरान खुदरा बिक्री में वृद्धि होने की उम्मीद जतायी है।

खबर संक्षेप

अप्रैल-जून में बिजली उत्पादन 1.3% बढ़ा

नई दिल्ली। देश के बिजली उत्पादन में 2023 की अप्रैल-जून तिमाही में 1.3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 17.1 प्रतिशत था। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के ताजा आंकड़ों के अनुसार बिजली उत्पादन इस साल मार्च में 1.6 प्रतिशत और अप्रैल में 1.1 प्रतिशत घटा है।

सेबी ने एफपीआई के लिए खुलासा जरूरतों को बढ़ाया

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बेहतर पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कुछ निश्चित श्रेणी के एफपीआई के लिए खुलासा जरूरतों को बढ़ा दिया है। इसके तहत इन एफपीआई को स्वामित्व और आर्थिक हित का ब्योरा देना होगा। इसके अलावा नियामक ने एफपीआई के लिए पात्रता मानदंड से संबंधित कुछ नियमों में बदलाव भी किया है।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.42 अरब डॉलर घटा

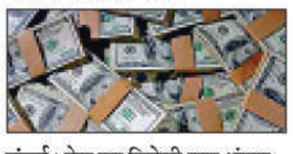

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार अगस्त को समाप्त सप्ताह में 2.41 अरब डॉलर से अधिक घटकर 601.45 अरब डॉलर रह गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 3.16 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 603.87 अरब डॉलर रह गया था।

रैडक्लिफ लैब्स का परिचालन विस्तार पर जोर

Redcliffe labs

नई दिल्ली। डायग्नोस्टिक मंच रेडक्लिफ लैब्स 2025 तक 250 प्रयोगशालाओं और 10,000 संग्रह केंद्रों के साथ अपने परिचालन विस्तार पर जोर दे रही है। इसके साथ ही कंपनी के संस्थापक और प्रबंध निदेशक धीरज जैन ने बताया कि रैडक्लिफ लैब्स 2025-26 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने 2018 में परिचालन शुरू किया था।

वैश्विक रुझानों पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

नई दिल्ली। छुट्टियों वाले छोटे सप्ताह में शेयर बाजार की चाल मुद्रास्फीति के आंकड़े, वैश्विक रुझानों और विदेशी कोषों के रुख से प्रभावित होगी। मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। आने वाले दिनों में बाजार के रुझान को तय करने में व्यापक आर्थिक संकेत, रुपये की चाल और एफआईआई की गतिविधियां महत्वपूर्ण होंगी।

इनसेक्टिसाइड्स क्षमता विस्तार पर निवेश करेगी

insecticides

नई दिल्ली। इंसेक्टिसाइड्स इंडिया लिमिटेड (आईआईएल) के प्रबंध निदेशक राजेश अग्रवाल ने रविवार को कहा कि कंपनी अगले दो वर्षों में राजस्थान और गुजरात में क्षमता विस्तार पर 150 करोड़ रुपये निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी नवरात्रि से पहले नए खरपतवार नाशक और कीटनाशक उत्पाद भी पेश करेगी। अग्रवाल ने कहा कि कंपनी अगले दो वर्षों में राजस्थान के बहरोड़ जिले के सोतानाला में एक नया संयंत्र स्थापित करने के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

बिजनेस साइट

श्री स्वास्तिक ग्रुप का ड्रीम प्रोजेक्ट प्राइम लोकेशन ईस्ट 12, किफायती दर पर फ्लैट्स

रायपुर। श्री स्वास्तिक ग्रुप के ड्रीम प्रोजेक्ट में एक ईस्ट 12 है, जो शहर के प्राइम लोकेशन खम्हारडीह शंकर नगर में है। यह प्रोजेक्ट 12 फ्लोर का है, जिसमें 2, 3 एवं 4 बीएचके के फ्लैट्स उपलब्ध हैं। यहां लगभग 95% काम पूरा हो चुका है। कई परिवार यहां रहने भी आ चुके हैं। इस प्रोजेक्ट में उपलब्ध फ्लैट में तुरंत पजेशन लिया जा सकता है। इसके आसपास बहुत हरियाली एवं शुद्ध वातावरण है। इस प्रोजेक्ट में प्रदान की गई सभी दुकानें बिक चुकी हैं। इससे लोगों को नई सुविधा के साथ बेहतर माहौल भी मिल रहा है।

इस प्रोजेक्ट में फ्लैट बहुत ही किफायती दरों पर उपलब्ध है, जहां की प्रीमियम फैसिलिटी प्रदान की जा रही है। इसमें सेपरेट पार्किंग, स्वीमिंग पूल, किड्स पूल, जिम-योग सेंटर, एरोबिक्स सेंटर, बिलियर्ड रूम, कैरम रूम, चिल्ड्रंस प्ले जोन आदि सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इस प्रोजेक्ट में फर्स्ट फ्लोर पर पोडियम गार्डन, किड्स प्ले एरिया एवं ग्राउंड फ्लोर पर मंदिर, बैडमिंटन कोर्ट, सीनियर सिटीजन जोन, कार वॉशिंग एरिया आदि तमाम सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इस प्रोजेक्ट में उपयोग में लाई गई एमेनिटीज प्रीमियम स्तर की है। इस प्रोजेक्ट का लोकेशन शानदार होने से राजधानी के पॉश एरिया के रूप में डेवलपमेंट हो रहा है। क्षेत्र में अनेक आधुनिक सुविधाओं का विस्तार भी हो रहा है। इधर सुव्यवस्थित बसाहट के साथ कनेक्टिविटी बहुत अच्छी है। पूरा एरिया विकसित जोन के तौर पर शहर में अलग पहचान बनाते जा रहा है। प्रोजेक्ट सभी सरकारी विभागों से अनुमोदित है। रेरा में रजिस्टर्ड होने से इस प्रोजेक्ट के आसपास जिस गति से डेवलपमेंट हो रहा है, उसकी तुलना में कीमत बहुत अच्छी मानी जा रही है।

सुमीत बाजार आजादी के अवसर पर लाया बेशुमार ऑफर्स

रायपुर। 15 अगस्त के दिन देशभर में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इस साल हम 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा हैं। इस जश्न के उपलक्ष्य में प्रदेश के प्रसिद्ध रिटेल चेन स्टोर सुमीत बाजार ने अपने उपभोक्ताओं के लिए विशेष ऑफर्स की पेशकश की है, जिससे इस महापर्व पर लोगों की खुशियों को दोगुना किया जा सके। इस अवसर को खास बनाने के लिए सुमीत बाजार के '77' वाले ऑफर्स का लाभ लेकर लोग जमकर मनपसंद शॉपिंग कर सकेंगे। यह ऑफर सुमीत बाजार के सभी रिटेल काउंटर्स पर 12 अगस्त से 16 अगस्त तक खरीदी पर दिया जा रहा है। सुमीत बाजार से मिली जानकारी के मुताबिक इस खास ऑफर के अंतर्गत 208 रुपए की एमआरपी वाला प्लास्टिक कंटेनर 5 पीस सेट केवल 77 रुपए में, 199 रुपए वाली गर्ल्स टीशर्ट 77 रुपए में, 225 रुपए से ज्यादा वाला ब्वॉयज टीशर्ट 77 रुपए, 149 रुपए वाली प्लास्टिक चटाई 77 रुपए में खरीदी जा सकती है। इसी तरह 177 रुपए, 277 रुपए 377 रुपए और 477 रुपए के ऑफर में जाकर बॉस्केट, साड़ियां, पर्दा, टीशर्ट, कुर्तियां, शर्ट, लेगिंग्स, कोर्ड सेट, टॉप, फैंसी सूटपीस, कुर्ता पैजामा, ट्राउजर्स, ब्लांकेट, बॉथसेट आदि की खरीदी करने का अच्छा मौका है।

सेडान की मांग में मजबूती कायम : मर्सिडीज बेंज

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- एसयूवी खंड में वृद्धि के बावजूद यह मांग बनी हुई
- एसयूवी की हिस्सेदारी लगभग 48 .52 फीसदी

मर्सिडीज बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर का कहना है कि भारत में यात्री कार बाजार में एसयूवी खंड की मांग बढ़ने के बावजूद सेडान खंड में मांग मजबूत बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि सेडान कारों की मांग बहुत मजबूत बनी हुई है। अय्यर ने कहा, 'सौभाग्य से हमारा पोर्टफोलियो एक संतुलित सेडान-एसयूवी पोर्टफोलियो है। हमारे पास सेडान में ए क्लास, बी क्लास, ई क्लास और एस क्लास है और फिर हमने जीएलए, जीएलसी, जीएलई और जीएलएस के साथ एसयूवी पोर्टफोलियो में इसे पेश किया है। अभी सेडान बनाम एसयूवी की हिस्सेदारी लगभग 48:52 है।'

हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि जीएलसी की पेशकश के साथ, कंपनी की कुल बिक्री में एसयूवी की हिस्सेदारी 55-57 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। फिर भी भारत में मर्सिडीज-बेंज के लिए सेडान की मांग अभी भी मजबूत है। उन्होंने कहा, ''पहली छमाही (2023) में लगभग 8,500 (कुल) का 50 प्रतिशत हिस्सा, मैं कहूंगा कि लगभग 4,500 ग्राहकों ने अभी भी सेडान खरीदीं।''

पहली छमाही में 13 प्रतिशत की सालाना वृद्धि मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने 2023 की पहली छमाही में 13 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 8,528 गाड़ियां बेची थीं, जो अब तक की सबसे अच्छी छमाही बिक्री है।

टाटा स्टील नए अधिग्रहण को उत्सुक नहीं : सीईओ

नई दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी टाटा स्टील अभी किसी अन्य नए अधिग्रहण के लिए उत्सुक नहीं है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टी वी नरेंद्रन ने ऐसे समय में यह बयान दिया है जब वेदांता लिमिटेड अपने इस्पात तथा इस्पात बनाने वाले कच्चे माल के कारोबार की समीक्षा व मूल्यांकन कर रही है। वेदांता लिमिटेड ने जून में कहा था कि वह तुरंत समीक्षा शुरू करेगा और अपने कुछ या सभी इस्पात व्यवसायों की संभावित रणनीतिक बिक्री सहित विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला का मूल्यांकन करेगी। नरेंद्रन ने वेदांता लिमिटेड के इस्पात व्यवसाय को खरीदने में उनकी कंपनी की रुचि पर पूछे सवाल पर कहा, 'हम किसी अन्य नए अधिग्रहण के लिए उत्सुक नहीं हैं... हमें इसकी जरूरत नहीं है।'

पूंजीकरण में एचडीएफसी बैंक को सबसे अधिक नुकसान

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का कुल बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह 74,603.06 करोड़ रुपये घट गया। इनमें सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। बीएसई सेंसेक्स में 398.6 अंक गिरी। आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंफोसिस और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट हुई। जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और भारतीय स्टेट बैंक को लाभ हुआ। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 25,011 करोड़ रुपये घटकर 12,22,392.26 करोड़ रुपये हो गया।आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 12,781 करोड़ रुपये घटकर 6,66,512.90 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 11,096.48 करोड़ रुपये घटकर 4,86,812.08 करोड़ रुपये रह गया।

मस्क के एक्स से कर रहे हैं कमाई तो टैक्स देने की कर लें तैयारी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

एलन मस्क की सोशल मीडिया कंपनी एक्स (पूर्ववर्ती ट्विटर) ने दुनिया भर के कंटेंट क्रिएटर्स को कमाई करने का नया जरिया दिया है। हाल ही में कंपनी ने अपनी नई मनीटाइजेशन पॉलिसी का ऐलान किया है, जिसके तहत वह यूजर्स के साथ ऐड रेवेन्यू को साझा कर रही है। इससे यूजर्स को अच्छी-खासी कमाई हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यूजर्स की इस कमाई पर जीएसटी भी लागू होगी।

एक रिपोर्ट में एक्सपर्ट के हवाले से कहा गया है कि ऐड रेवेन्यू शेयर करने की स्कीम के तहत यूजर्स को हो रही कमाई को जीएसटी कानून के तहत सप्लाई माना जाएगा और इस पर 18 फीसदी की दर से टैक्स देना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी व्यक्ति की किराए से कमाई, बैंक एफडी पर ब्याज और अन्य प्रोफेशनल सर्विसेज से साल भर में 20 लाख रुपये से ज्यादा हो जाती है, तो उस पर टैक्स लगेगा।

इन्हें हो सकती है एक्स से कमाई

एक्स ने अपने प्रीमियम ग्राहकों और वेरिफाइड संगठनों के लिए ऐड रेवेन्यू को शेयर करने की स्कीम शुरू की है। एक्स की इस स्कीम का हिस्सा बनने की कुछ शर्तें हैं। जैसे संबंधित अकाउंट को पिछले तीन महीनों में पोस्ट पर 1.5 करोड़ इंप्रेशन मिले हैं और उसके कम से कम 500 फॉलोअर्स हों। इसे ब्लू सब्सक्रिप्शन का बेस बढाने की योजना का भी हिस्सा माना जा रहा है।

इससे कम कमाई पर जीएसटी नहीं

एक्सपर्ट का कहना है कि जैसे ही साल भर में तमाम वैसी सेवाओं से कमाई 20 लाख रुपए के पार होगी, जिन्हें जीएसटी कानून के तहत सप्लाई माना गया है, तो 18 फीसदी की दर से टैक्सपेयर को जीएसटी भरना पड़ेगा।

कई यूजर्स दे रहे मोटी कमाई की जानकारी

एक्स की इस स्कीम से कई यूजर्स को खूब कमाई हो रही है। एक्स के प्लेटफॉर्म पर दर्जनों यूजर्स ने एक्स से लाखों का भुगतान मिलने की जानकारियां साझा की हैं। वैसे अकाउंट, जिनके काफी फॉलोअर्स हैं और जिनकी पोस्ट पर लोगों का इंगेजमेंट ज्यादा है, वे आसानी से लाखों में कमाई कर रहे हैं। टैक्सेबल मान रहे हैं, क्योंकि कई यूजर्स को 20 लाख रुपये सालाना से ज्यादा कमाई सिर्फ एक्स से हो सकती है।

अमेरिकी कंपनी 'चिप' के लिए एसके हाइनिक्स से करेगी करार

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- बातचीत आखिरी चरण में चल रही
- 'एसके हाइनिक्स शीर्ष तीन वैश्विक मेमोरी या स्टोरेज सेमीकंडक्टर कंपनियों में से एक

अमेरिकी एसआरएएम एंड एमआरएएम ग्रुप की भारत में 30,000 करोड़ रुपये के प्रस्तावित अपने चिप विनिर्माण संयंत्र और एक परीक्षण इकाई के लिए सेमीकंडक्टर निर्माता एसके हाइनिक्स और ग्लोबल फाउंड्रीज के साथ बातचीत आखिरी चरण में है। एसआरएएम एंड एमआरएएम ग्रुप के चेयरमैन सैलेश लाचू हीरानंदानी ने बताया कि संयुक्त उपक्रम (जेवी) में उनके समूह की हिस्सेदारी ज्यादा होगी। केंद्र से परियोजना के लिए मंजूरी लेने के वास्ते एक सप्ताह में आवेदन किया जाएगा। हीरानंदानी ने कहा, 'हम सिर्फ निवेशक साझेदार हैं। हम पहले से ही दक्षिण कोरिया की एसके हाइनिक्स के साथ बातचीत कर रहे हैं। भारत में वे हमारे साझेदार बनने जा रहे हैं। तकनीकी साझेदारों के पास सभी बौद्धिक संपदा (आईपी) हैं। 'एसके हाइनिक्स शीर्ष तीन वैश्विक मेमोरी या स्टोरेज सेमीकंडक्टर कंपनियों में से एक है। एसआरएएम एंड एमआरएएम समूह ने ओडिशा में एक सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र और एक परीक्षण इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। हीरानंदानी ने कहा, 'मेरे उपाध्यक्ष उनके (ग्लोबल फाउंड्रीज) साथ संपर्क में हैं। हम ग्लोबल फाउंड्रीज को अपने साथ जोड़ सकते हैं। ग्लोबल फाउंड्रीज चिप्स बनाती है और इसके ग्राहकों में क्वालकॉम, मीडियाटेक, एनएक्सपी आदि शामिल हैं।

ओडिशा सरकार ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

एसके हाइनिक्स और ग्लोबल फाउंड्रीज को ईमेल भेजकर इस संबंध में पूछा गया लेकिन खबर लिखने तक उनका कोई उत्तर नहीं मिला। ओडिशा सरकार ने पहले ही एसआरएएम एंड एमआरएएम समूह के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

क्रिकेट : कैरेबियन प्रीमियर लीग में लागू होगा फुटबॉल का 'रेड कार्ड' नियम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हॉकी और फुटबॉल सहित कई अन्य खेलों में रेफरी खिलाड़ी की गलती के लिए रेड कार्ड दिखाते हैं और खिलाड़ी को मैदान छोड़कर बाहर जाना होता है। अब यह नियम क्रिकेट में भी लागू होने जा रहा है। सुनने में थोड़ा हैरान करने वाला है, लेकिन यह सच है। अब क्रिकेट में भी रेड कार्ड का इस्तेमाल होगा। खिलाड़ी को अब उसकी गलती के लिए रेड कार्ड दिखाया जाएगा और उसे मैदान से बाहर जाना होगा।

दरअसल, कैरेबियन प्रीमियर लीग के इस सीजन में नए नियम के तहत रेड कार्ड का इस्तेमाल किया जाएगा। इस नियम को लाने का सिर्फ एक कारण है कि स्लो ओवर रेट की समस्या को दूर किया जा सके। सीपीएल के टूर्नामेंट डायरेक्टर माइकल हॉल ने इस विषय पर एक बयान जारी करते हुए कहा, हम इस बात से निराश हैं कि टी-20 मैच हर साल लंबे होते जा रहे हैं। स्लो ओवर रेट की परेशानी को अगर ठीक करना है तो फिर इस तरह की सजा जरूरी भी है।

स्लो ओवर पर चलेगा चाबुक

इस रेड कार्ड के नियम के तहत अगर 18वें ओवर के शुरू होने से पहले पाया जाता है कि निर्धारित समय में फील्डिंग करने वाली टीम का ओवर रेट कम है तो उसके एक खिलाड़ी को सर्कल के अंदर आना होगा और 4 की जगह कुल 5 खिलाड़ी सर्कल के अंदर होंगे। इसी तरह अगर टीम 19वें ओवर के पहले ओवर स्लो ओवर में पकड़ी जाती है तो उसके दो खिलाड़ियों को 30 यार्ड सर्कल के अंदर आना होगा। इसका मतलब कि 4 नहीं 6 खिलाड़ी 30 यार्ड के घेरे में होंगे, जिससे बल्लेबाजों को खुलकर शॉट मारने का मौका मिलेगा। अगर टीम 20वें ओवर की शुरुआत में स्लो ओवर के जाल में फंसती है तो उसे अपने एक खिलाड़ी को मैदान से बाहर भेजना होगा। उसक खिलाड़ी को बैटिंग करने वाली टीम का कप्तान चुनेगा और वह खिलाड़ी मैदान से बाहर चला जाएगा। साथ ही फील्डिंग टीम के 6 खिलाड़ी 30 यार्ड घेरे के अंदर भी होंगे।

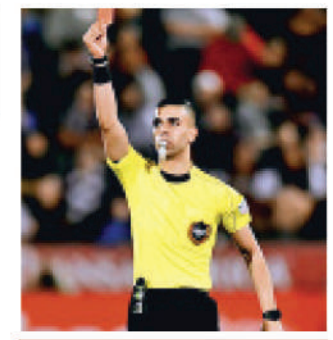

टी20 में ओवर की टाइमिंग

- टी20 क्रिकेट में एक इनिंग 85 मिनट की होती है।
- 17वां ओवर 72 मिनट 15 सेकंड में पूरा होना चाहिए।
- 18वां ओवर 76 मिनट 30 सेकंड में फेंका जाना चाहिए।
- 19वां ओवर 80 मिनट 45 सेकंड में।
- 20वां ओवर 85 मिनट के अंदर खत्म होना चाहिए।

अभी क्या है नियम

बता दें कि स्लो ओवर रेट को लेकर टीम या कप्तान पर जुर्माना लगाने का नियम है। जब तीन बार कोई टीम स्लो ओवर रेट में पकड़ी जाती है तो उसके कप्तान पर 1 मैच का बैन लगा दिया जाता है। दुनिया भर में खेली जा रही टी20 लीग और इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भी ऐसा होता आया है। अब सीपीएल ने इस दिशा में रेड कार्ड के नियम को लाकर ऐतिहासिक पहल की है।

बैटिंग करने वाली टीम भी आएगी लपेटे में

इस रेड कार्ड के नियम की जद में केवल फील्डिंग करने वाली टीम ही नहीं आएगी। बल्कि बैटिंग करने वाली टीम को भी नुकसान भुगतना होगा। अगर बैटिंग करने वाली टीम बेवजह वक्त जाया करती है तो अंपायर उसके पहली और फाइनल वार्निंग देंगे, इसके बाद भी अगर लेट करते हैं तो टीम पर 5 रन का जुर्माना लगाया जाएगा।

खबर संक्षेप

फॉर्म में लौटने के लिए पुराना तरीका अपनाया

लॉडरहिल। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फॉर्म में वापसी के लिए उन्होंने 'बेसिक्स' पर ध्यान दिया और उस तरीके को अपनाया जब वह रन बना रहे थे। यह 23 वर्षीय बल्लेबाज वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में दोहरे अंक में नहीं पहुंच पाया था। उन्होंने इन मैचों में तीन, सात और छह रन बनाए लेकिन चौथे मैच में 47 गेंदों पर 77 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। भारत ने यह मैच नौ विकेट से जीता।

जीव लीजेंड्स टूर में संयुक्त छठे स्थान पर

लंदन। भारत के दिग्गज गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने लीजेंड्स टूर ट्रॉफी के पहले टूर्नामेंट के शुरुआती दिन चार अंडर 68 का स्कोर बनाया। जीव ने अंतिम नौ होल में लगातार पांच बर्डी बनाई। उन्होंने कुल छह बर्डी बनाई लेकिन इस बीच दो बोगी भी की।

वह पहले दौर के बाद संयुक्त छठे स्थान पर हैं। स्वीडन के जोकिम हेगमैन और वेल्शमैन स्टीफन डोड ने शुरुआती दिन के बाद संयुक्त बढ़त पर हैं।जीव ने अब तक विभिन्न प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह वेल्स में सीनियर ओपन में संयुक्त 14वें और फिर जेसीबी चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रहे थे।

दीक्षा डागर की स्थिति में सुधार, अदिति खिसकी

लंदन। भारत की दीक्षा डागर ने एक बर्डी और एक बोगी के साथ इवन पार 72 का कार्ड खेला जिससे वह वाल्टन हीथ में चल रहे महिला ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर के बाद संयुक्त 47वें से संयुक्त 35वें स्थान पर पहुंच गई।

दीक्षा की सीनियर साथी अदिति अशोक दूसरे दौर के बाद संयुक्त नौवें स्थान पर चल रही थी लेकिन तीसरे दौर में उन्होंने 3 ओवर 75 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 28 वें स्थान पर खिसक गई।

पृथ्वी के शतक से जीता नार्थम्पटनशर

चेस्टर ली स्ट्रीट। पिछले मैच में दोहरा शतक जड़ने के बाद पृथ्वी शॉ ने रविवार को यहां वनडे कप में फिर शतक जड़कर नार्थम्पटनशर को डरहम के खिलाफ छह विकेट से जीत दिलाई। शॉ ने महज 76 गेंद में 15 चौके और सात छक्के लगाकर नाबाद 125 रन की पारी खेली जिससे नार्थम्पटनशर ने 198 रन का लक्ष्य 2502 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया। तेज गेंदबाज ल्यूक प्रोक्टर ने नौ ओवर में 34 रन देकर चार विकेट झटके जिससे नार्थम्पटनशर ने डरहम को 43.2 ओवर में महज 198 रन पर समेट दिया।

वेस्टइंडीज बना 'किंग', भारत ने गंवाई पांच मैचों की सीरीज

टी20 : किंग ने 55 गेंदों में बनाए नाबाद 85 रन

एजेंसी ⏭ लॉडरहिल

वेस्टइंडीज ने बैंडन किंग के तूफानी प्रदर्शन से भारत को पांच मैचों की टी20 सीरीज के पांचवें और आखिरी निर्णायक मुकाबले में आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने इस टी20 सीरीज पर भी 3-2 से कब्जा जमा लिया है। फ्लोरिडा के लॉडरहिल में खेले गए पांचवें मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 165 रन बनाए थे। जवाब में वेस्टइंडीज ने 18 ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

वेस्टइंडीज के लिए निकोलस पूरन और ब्रैंडन किंग ने 107 रन की साझेदारी कर भारत को मैच और सीरीज जीतने से दूर रखा। ब्रैंडन किंग 55 गेंदों में 85 रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय टीम ने टी-20 क्रिकेट में पहली बार 5 मैचों की सीरीज गंवाई है। इतना ही नहीं, टीम कैरेबियंस के खिलाफ लगातार 15 बाइलेटरल सीरीज जीतने के बाद कोई सीरीज गंवाई है। टीम ने आखिरी सीरीज 2016 में गंवाई थी। इस मैच के साथ ही भारत का वेस्टइंडीज दौरा भी समाप्त हो गया। भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से जीती थी।इसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज टीम इंडिया ने 2-1 से अपने नाम की।

सूर्या की 15वीं फिफ्टी

फ्लोरिडा के लॉडेरहिल स्थित क्रिकेट ग्राउंड पर टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 165 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव ने 61 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल करियर की 15वीं फिफ्टी जमाई। सूर्या के अलावा तिलक वर्मा ने 18 बॉल पर 27 रनों की पारी खेली। वर्मा ने इस पारी में तीन चौके और दो छक्के जमाए। विंडीज की ओर रोमारियो शेफर्ड ने चार विकेट लिए। अकील हुसैन और जेसन होल्डर को दो-दो विकेट मिले।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का एवं बो हुसैन	05	04	1	0
शुभमन पगबाधा बो हुसैन	09	09	1	0
सूर्यकुमार पगबाधा बो होल्डर	61	45	4	3
तिलक वर्मा का एवं बेस	27	18	3	2
सैमसन का पूरन बो शेफर्ड	13	09	2	0
पंड्या का होल्डर बो शेफर्ड	14	18	0	1
अक्षर का शेफर्ड बो होल्डर	13	10	0	1
अर्शदीप सिंह बो शेफर्ड	08	04	0	1
कुलदीप पगबाधा बो शेफर्ड	00	01	0	0
युजवेंद्र चहल नाबाद	00	01	0	0
मुकेश कुमार नाबाद	04	01	1	0

अतिरिक्त : 11, कुल : 20 ओवर में 165/9

गेंदबाजी : अकील 4-0-24-2, मेयर्स 1-0-4-0, होल्डर 4-0-36-2, जोसफ 3-0-41-0, चेस 4-0-25-1, शेफर्ड 4-0-31-4.

वेस्टइंडीज	रन	गेंद	4	6
ब्रैंडन किंग नाबाद	85	55	5	6
मेयर्स का यशस्वी बो अर्शदीप	10	05	1	1
पूरन का पंड्या बो तिलक	47	35	1	4
शाई होप नाबाद	22	13	1	1

अतिरिक्त : 07, कुल : 18 ओवर में 171/2

गेंदबाजी : पंड्या 3-0-32-0, अर्शदीप 2-0-20-1, कुलदीप 4-0-18-0, चहल 4-0-51-0, मुकेश 1-0-10-0, तिलक 2-0-17-1, अक्षर 1-0-8-0, यशस्वी 1-0-11-0.

स्वियाटेक को हराकर पेगुला ने कटाई फाइनल की टिकट

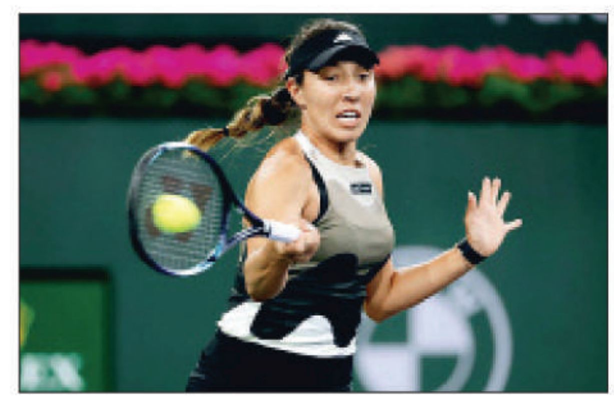

एजेंसी ⏭ मॉन्ट्रियल

अमेरिका की जेसिका पेगुला ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को पराजित करके नेशनल बैंक मॉन्ट्रियल ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई।

पेगुला ने स्वियातेक की 11 बार सर्विस तोड़ी और 6-2, 6-7 (4), 6-4 से जीत दर्ज की। यह पिछले दो वर्षों में पहला अवसर है जबकि यह अमेरिकी खिलाड़ी सेमीफाइनल की बाधा को पार करने में सफल रही। बारिश के कारण कजाकिस्तान की तीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना और रूस की ल्यूडमिला सैमसोनोवा के बीच रात को होने वाला दूसरा सेमीफाइनल रविवार तक के लिए स्थगित करना पड़ा।

मिनौर और सिनर में होगा खिताबी मुकाबला

टोरंटो। ऑस्ट्रेलिया के अलेक्स डी मिनौर ने स्पेन के एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को सीधे सेटों में हराकर नेशनल बैंक टोरंटो ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना सातवीं वरीयता प्राप्त यानिक सिनर से होगा। डी मिनौर ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में शुरू से दबदबा बनाए रखा और फोकिना को आसानी से 6-1, 6-3 से हराया। एक अन्य सेमीफाइनल में इटली के सिनर ने अमेरिका के 12वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पाल को 6-4, 6-4 से पराजित किया। इससे पहले डी मिनौर ने शुक्रवार को दूसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव को उलटफेर का शिकार बनाया था। उन्होंने अब तक सात एटीपी टूर खिताब जीते हैं। सिनर के नाम पर भी सात एटीपी टूर खिताब दर्ज हैं।

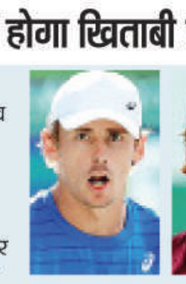

राहुल और अय्यर ने नेट्स में की बल्लेबाजी प्रैक्टिस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर सामने आई है। लंबे समय से बाहर रहे टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल और श्रेयस अय्यर बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में नेट्स पर बल्लेबाजी करते हुए नजर आए। हालांकि ये दोनों खिलाड़ी आगामी आयरलैंड दौरे पर खेलते हुए नजर नहीं आएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एशिया कप में इन दोनों खिलाड़ियों को जगह मिलने की उम्मीद है। आयरलैंड दौरे पर भारत के दो प्रमुख

गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा लगभग एक साल बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे। दाएं हाथ के बल्लेबाज आगामी विश्व कप में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

एशिया कप से पहले मंदिर पहुंचे रोहित

नई दिल्ली। एशिया कप का आगाज 30 अगस्त से हो रहा है। हालांकि, भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 2 सितंबर को करेगी। भारत और पाकिस्तान की टीमें 2 सितंबर को आमने-सामने होगी। वहीं, इस टूर्नामेंट से पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा अपनी फैमली संग तिरुपती बालाजी मंदिर पहुंचे। इस दौरान भारतीय कप्तान के साथ वाइफ ऋतिका सजदेह और बेटी भी नजर आई। बहरहाल, सोशल मीडिया पर रोहित शर्मा का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसके अलावा सोशल मीडिया यूजर्स लगातार कमेंट्स कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि रोहित शर्मा को देखने के लिए फैंस की भारी भीड़ है।

गोकुलम ने ब्लास्टर्स को 4-3 से हराया

कोलकाता। गोकुलम केरला ने रविवार को यहां डूरंड कप के ग्रुप लीग मैच में इंडियन सुपर लीग की मजबूत टीम केरला ब्लास्टर्स को 4-3 से शिकस्त दी। मैच के पहले हाफ में चार जबकि दूसरे हाफ में तीन गोल हुए। गोकुलम ने लगातार दूसरे मैच में जीत हासिल की और वह ग्रुप में शीर्ष पर बनी हुई है। विजेता टीम के लिए बौउबा अमिनोऊ ने 17वें मिनट में, श्रीकुट्टन ने 43वें मिनट में, एलेक्स सांचेज ने 45+1वें मिनट और अभिजीत के ने 47वें मिनट में गोल दागे। वहीं केरला ब्लास्टर्स के लिए इमैनुअल जस्टिन ने 34वें, प्रबीर दास ने 54वें और एड्रियन लुना ने 77वें मिनट में गोल किए।

अल नस्र पहली बार बना अरब क्लब चैंपियन रोनाल्डो ने दागे दो गोल

रियाद। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार प्रदर्शन के चलते अल नस्र ने पहली बार अरब क्लब चैंपियंस कप जीत लिया है। बड़े मौकों पर कमाल करने के लिए अपनी खास पहचान बनाने वाले रोनाल्डो एक बार फिर अपने फैंस के भरोसे पर खरे उतरे और दो गोल कर टीम को चैंपियन बनाया। इस मैच में उनकी टीम 0-1 से पिछड़ रही थी और 70वें मिनट में एक खिलाड़ी को रेड कार्ड भी मिल गया। 10 खिलाड़ी के साथ खेलते हुए कप्तान रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया और दो गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया। हालांकि, बाद में वह चोटिल होकर मैदान से बाहर भी चले गए।

भारत के 2771.35 और इंग्लैंड के 2763.50 अंक

एफआईएच रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंची टीम इंडिया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद भारतीय हॉकी टीम रविवार को एफआईएच की नवीनतम रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। एशियाई खेलों से पहले रैंकिंग में इस सुधार से भारतीय टीम का हौसला बढ़ेगा। भारत (2771.35 अंक) इंग्लैंड (2763.50 अंक) को पछाड़ कर एक स्थान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंचा। इस रैंकिंग में नीदरलैंड (3095.90 अंक) पहले और बेल्जियम (2917.87 अंक) दूसरे स्थान पर हैं। यह दूसरी बार है जब भारत एफआईएच रैंकिंग में तीसरे पायदान पर पहुंचा।

भारतीय टीम ने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल करने के बाद यही रैंकिंग हासिल की थी। टोक्यो में भारत ने ओलंपिक में पदक के 41 साल के सूखे को खत्म किया था।

हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके शनिवार को मलेशिया को 4-3 से हराकर चौथी बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी प्रतियोगिता का खिताब जीता और 23 सितंबर से होने वाले हांगझोउ एशियाई खेलों के लिए अपनी तैयारियों का पुख्ता सबूत पेश किया। एसीटी की उपविजेता मलेशिया नौवें स्थान पर बरकरार है। इस रैंकिंग में कोरिया 11वें, पाकिस्तान 16वें स्थान पर है। टूर्नामेंट में तीसरी स्थान पर रही जापान की टीम रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ 18वें स्थान पर पहुंच गई।

भारतीय हॉकी टीम पर हुई पैसों की बारिश

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत पर टीम इंडिया की सराहना की। साथ ही विजेता टीम के लिए 1.1 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने अपने आधिकारिक बयान में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के प्रत्येक सदस्य को 3.00 लाख रुपए और सहयोगी स्टाफ को 1.50 लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा करते हुए कहा, एक पूर्व हॉकी खिलाड़ी के रूप में, मैं वास्तव में इस जीत पर विश्वास करता हूं। हॉकी में मैदान पर जीत से कहीं अधिक है, यह समर्पण और टीम वर्क का एक प्रमाण है जो हमारे जुनून को बढ़ावा देता है।

हमारे देश की आजादी की तारीख यानी 15 अगस्त वैसे तो हर साल विशेष खुशी और उत्साह का मौका होती है लेकिन इस साल स्वतंत्रता दिवस थोड़ा विशेष होने वाला है। दरअसल 77वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लालकिले में होने वाले कार्यक्रम में 1800 विशेष मेहमान शिरकत करेंगे। सरकार के जन भागीदारी कार्यक्रम के तहत इन विशेष मेहमानों को आमंत्रित किया गया है।

छत्तीसगढ़ सहित देशभर के किसान नर्स और मछुआरे बनेंगे स्पेशल गेस्ट

1800 विशेष मेहमान बनाएंगे स्वतंत्रता दिवस को यादगार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जिन 1800 लोगों को लालकिले में आयोजित होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है, उनमें 660 वाइब्रेंट गांवों के 400 सरपंच शामिल हैं। इनके अलावा किसान उत्पादन संगठनों से जुड़े 250 लोग, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के 50-50 लाभार्थी, 50 श्रम योगी, जिन्होंने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट और नए संसद भवन के निर्माण में योगदान दिया, सीमा पर सड़कों का निर्माण करने वाले कर्मी, 50 खादी कर्मचारी, अमृत सरोवरों का निर्माण करने वाले 50 कर्मी और हर घर जल योजना में काम करने वाले 50 कर्मी, 50 प्राइमरी स्कूल के अध्यापक, नर्सें और मछुआरे इन 1800 विशेष मेहमानों में शामिल हैं।

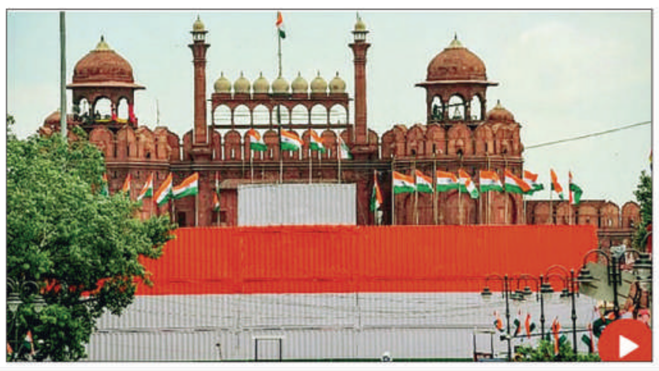

गार्ड ऑफ ऑनर देने वाली टुकड़ी में होंगे 25 जवान

रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री को सलामी देने वाली सेना, वायुसेना और दिल्ली पुलिस की टुकड़ी में एक अधिकारी और 25 जवान शामिल होंगे। वहीं भारतीय नौसेना के एक अधिकारी और 24 जवान प्रधानमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर देंगे। गार्ड ऑफ ऑनर की कमांड मेजर विकास सांगवान करेंगे। पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर मेरी माटी, मेरा देश अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य देश के बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करना है। इसके तहत देशभर में स्वतंत्रता सेनानियों की याद में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही सरकार हर घर तिरंगा अभियान भी चला रही है, जिसके तहत देशभर में राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ से 5 किसान सहित 29 लाभार्थी होंगे शामिल

इस भव्य समारोह में छत्तीसगढ़ राज्य से पांच किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि के साथ 29 लाभार्थी, अपने परिवारों के साथ लाल किले से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन सुनेंगे। विशेष अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ से अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत रायपुर से 45 किलोमीटर दूर आरंग विकासखंड के गोइन्दा ग्राम के सरपंच संतोष साहू और मजदूर माधव निषाद विशेष अतिथि के रूप में 15 अगस्त, 2023 को ऐतिहासिक लाल किले, दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस समारोह के साक्षी बनेंगे। इसी योजना के अंतर्गत बिलासपुर जिला के जांझी गांव के राजेश कुमार मिट्ठलाल और बेमेतरा जिला के अकलवारा गांव के दिनेश कुमार साहू को भी सम्मानित किया जायेगा। इनके अलावा, बेमेतरा जिला के बेरला के जाग्रत किसान उत्पादक सहकारी समिति की संगीता जैन भी लाल किले में मौजूद रहेंगी।

खबर संक्षेप

रामास्वामी बोले- वोट देने की उम्र हो 25 साल

वॉशिंगटन। अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में किस्मत आजमा रहे

रिपब्लिकन पार्टी के नेता विवेक रामास्वामी ने कहा कि वह वोट देने की उम्र बढ़ाकर 25 साल करना चाहते हैं। रामास्वामी ने ये भी कहा है कि वह यूएस सेंट्रल बैंक और न्याय विभाग के 90 प्रतिशत स्टाफ को नौकरी से निकालना चाहते हैं।

लक्षद्वीप के स्कूलों में नया यूनिफॉर्म पैटर्न

लक्षद्वीप। लक्षद्वीप प्रशासन ने स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए सिली हुई स्कूल ड्रेस से लेकर

बेल्ट, टाई, जूते, मोजे आदि को बदलने के लिए एक नया ड्रेस पैटर्न लागू किया है। शिक्षा विभाग ने 10 अगस्त को लक्षद्वीप प्रशासन के सभी स्कूलों के प्रिंसिपल और हेडमास्टर को आदेश जारी करते हुए कहा कि स्कूल के सभी बच्चों के यूनिफॉर्म पहनने से उनमें एकजुटता होगी और अनुशासन की भावना भी पैदा होगी।

अमेरिका में 100 साल की सबसे भयानक आग

वॉशिंगटन। अमेरिका के हवाई राज्य के जंगलों में लगी आग की वजह से 93 लोगों की मौत हो

चुकी है। ये अमेरिका के जंगलों में लगी पिछले 100 साल की सबसे भयानक आग है। हवाई के गवर्नर जॉश ग्रीन ने आशंका जताई है कि मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। आग की वजह से हवाई में 49.77 हजार करोड़ का नुकसान हुआ है।

ताइवान के उपराष्ट्रपति की यात्रा से भड़का चीन

ताइवान। ताइवान के उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विलियम लाई द्वारा पराग्वे के रास्ते

में संयुक्त राज्य अमेरिका में पारगमन रोकने पर चीन ने दृढ़ और सशक्त कदम उठाने की चेतावनी दी है। चीन ने उपराष्ट्रपति की अमेरिका यात्रा पर 'जबरदस्त' प्रतिक्रिया देने की बात कही है। विलियम लाई की अमेरिका यात्रा पर चीन बुरी तरह भड़क गया है।

शिकागो में आज से पांच दिवसीय विश्व धर्म संसद का आयोजन शुरू

विश्व धर्म संसद में 80 देश ढूंढ़ेंगे रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी वैश्विक समस्याओं का समाधान

एजेंसी ▶▶ शिकागो

शिकागो में 14 से 18 अगस्त तक चलने वाले विश्व धर्म संसद में भारत की ओर से जैनमुनि लोकेश मुनि पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी समस्याओं का समाधान धर्मगुरुओं द्वारा मिलकर खोजा जाना संभव है। जैनमुनि ने कहा कि मानवता का समाधान युद्ध, आतंक और हिंस्सा नहीं है।

शिकागो में आगामी 14 से 18 अगस्त तक विश्व धर्म संसद का आयोजन होने जा रहा है। इस दौरान दुनिया के 80 देशों के 10 हजार धार्मिक प्रतिनिधियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। धर्मगुरु मिलकर रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी वैश्विक समस्याओं का समाधान खोजेंगे। जैन समुदाय के प्रतिष्ठित धार्मिक नेता आचार्य लोकेश मुनि ने कहा है कि दुनिया के प्रमुख धर्मों एवं आस्थाओं के नेता मानवता के सामने मौजूद यूक्रेन युद्ध जैसी बड़ी चुनौतियों का समाधान करने और स्थायी शांति स्थापित करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। वह भी शिकागो में होने वाली 2023 विश्व धर्म संसद में भाग लेने शिकागो पहुंचे हैं।

खास बातें

- 14 से 18 अगस्त तक चलेगी विश्व धर्म संसद
- भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे जैन संत लोकेश मुनि
- बोले...मानवता का समाधान युद्ध, आतंक और हिंस्सा नहीं

80 देशों के 10 हजार प्रतिनिधि होंगे शामिल

इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में 80 देशों से करीब 10,000 प्रतिनिधि शामिल होंगे। लोकेश मुनि विश्व के उन कुछ धार्मिक नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें पूर्ण सत्र में वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया है। आचार्य मुनि ने कहा कि अब समय आ गया है कि विश्व के नेता शांतिपूर्ण एवं समृद्ध समाज एवं दुनिया के लिए एक रूपरेखा तैयार करें। उन्होंने कहा कि विश्व के प्रमुख धर्मों और आस्थाओं के नेता मानवता के सामने मौजूदा प्रमुख चुनौतियों को हल करने और ऐसे समय में स्थायी शांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, तब यूक्रेन में युद्ध जारी है।

सभी मतभेदों एवं विवादों को वार्ता के जरिए सुलझाया जा सकता

जैन मुनि ने कहा कि मानवता जिन समस्याओं से जूझ रही है, उनमें से किसी का भी समाधान युद्ध, हिंसा एवं आतंक नहीं है तथा सभी मतभेदों एवं विवादों को वार्ता के जरिए सुलझाया जा सकता है। उन्होंने युक्रेन में जारी युद्ध के संदर्भ में कहा कि वर्षों के युद्ध के बाद भी जंग केवल वार्ता के जरिए ही समाप्त होती है, तो इंतजार क्यों करना? वार्ता और कूटनीति को अभी शुरू किया जाए। लोकेश मुनि ने कहा युद्ध समाप्त करने के लिए वार्ता अहम है। मेरी अगले सप्ताह विश्व धर्म संसद में इस मामले को उठाने की योजना है।

समस्या के समाधान के लिए नैतिक और मूल्य-आधारित शिक्षा अहम

वह पिछले कुछ महीनों से अमेरिका के विभिन्न स्थानों की यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि बंदूक हिंसा की समस्या के समाधान के लिए नैतिक और मूल्य-आधारित शिक्षा अहम है तथा इसे प्राथमिक विद्यालय के स्तर से शुरू किया जाना चाहिए। लोकेश मुनि ने कहा कि बंदूकों पर प्रतिबंध बंदूक हिंसा का दीर्घकालीन समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को हालिया संवाद में यही संदेश दिया था।

वायनाड में मोदी सरकार पर साधा निशाना

आदिवासी मूल नागरिक, उन्हें प्रतिबंधित करना गलत : राहुल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड में रविवार को आदिवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आपको प्रतिबंधित और वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए। पूरी दुनिया आपके लिए खुली होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि हम कहते हैं आदिवासी और दूसरा पक्ष कहता है 'वनवासी' और वनवासी शब्द के पीछे एक विकृत तर्क है। राहुल ने कहा कि हमारे आदिवासी भाई-बहन इस देश के मूल मालिक थे और इसका तात्पर्य यह भी है कि इस देश के मूल मालिकों को जमीन, जंगल पर अधिकार दिया जाना चाहिए और जो वे चाहते हैं उन्हें करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि आपको प्रतिबंधित और वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए। पूरा दुनिया आपके लिए खुली होनी चाहिए।

वनवासी शब्द स्वीकार नहीं

उन्होंने कहा कि हम कहते हैं आदिवासी और दूसरा पक्ष कहता है 'वनवासी'। वनवासी शब्द के पीछे एक विकृत तर्क है। 'वनवासी' शब्द इस बात से इनकार करता है कि आप भारत के मूल मालिक हैं और यह आपको जंगल तक ही सीमित रखता है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि 'वनवासी' शब्द के पीछे भावना यह है कि आप जंगल में हैं और आपको कभी जंगल नहीं छोड़ना चाहिए और यह हमें कतई स्वीकार्य नहीं है। हम इस शब्द को स्वीकार नहीं करते हैं।

प्रियंका ने फर्जी पत्र पर किया था आपत्तिजनक ट्वीट

भोपाल, इंदौर समेत 41 जिलों में कराई एफआईआर, भड़की कांग्रेस

▶▶ भोपाल

कमीशन वाले फर्जी पत्र के आधार पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के झूठ फैलाने वाले ट्वीट पर भाजपा ने कड़ा विरोध कर प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस को शिकायत दी है।

इसमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत 41 जिलों में एफआईआर भी दर्ज हो गई है। कूटरचित दस्तावेज से धोखाधड़ी और छवि धूमिल करने की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। वहीं, अब कांग्रेस कमलनाथ, प्रियंका गांधी, अरुण यादव के खिलाफ एफआईआर होने पर सड़क पर उतर कर विरोध करेगी। भोपाल शहर जिला अध्यक्ष मोनू सक्सेना ने बताया कि हमारे नेताओं के खिलाफ दबाव में एफआईआर की गई है। कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन भी किया।

पाकिस्तान में चीनी इंजीनियरों के काफिले पर हमला

ग्वादर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकी की मौत

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में ग्वादर पुलिस स्टेशन के पास रविवार को चीनी इंजीनियरों के काफिले पर हमला किया गया। काफिले में तीन एसयूवी और एक वैन शामिल थी। सभी बुलेटप्रूफ थीं। इनके जरिए 23 चीनी कर्मियों को ले जाया जा रहा था। जानकारी के मुताबिक, हमले के दौरान एक आईईडी विस्फोट हुआ। इस दौरान वैन पर गोलियां बरसाईं गईं। जवाब में सुरक्षा बलों ने भी जवाब दिया और दो आतंकियों को मार गिराया।

चीनी श्रमिक बंदरगाह पर कर रहे काम

ग्वादर बंदरगाह अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के केंद्र बिंदुओं में से एक है, जिसमें कई चीनी श्रमिक बंदरगाह पर काम कर रहे हैं। चीन सीपीईसी के तहत बलूचिस्तान में भारी निवेश कर रहा है। फिलहाल चीन की तरफ से अपने नागरिकों को घर में रहने की सलाह दी गई है। पाकिस्तान और चीन एक-दूसरे के संपर्क में हैं और हालात पर नजर बनाए हुए हैं। इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद अभियान शुरू किया गया था। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

सेफ लैंडिंग के लिए क्रू मॉड्यूल की स्पीड करेगा कम

गगनयान के लिए इसरो ने की पैराशूट की टेस्टिंग, हुई सफल

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गनाइजेशन यानी इसरो ने गगनयान मिशन के लिए ड्रोग पैराशूट का सफल परीक्षण 8 से 10 अगस्त के बीच चंडीगढ़ किया है। ये पैराशूट एस्ट्रोनॉट्स की सेफ लैंडिंग में मदद करेगा। यह क्रू मॉड्यूल की स्पीड को कम करेगा, साथ ही उसे स्थिर भी रखेगा। विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर ने चंडीगढ़ के टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड पर यह टेस्टिंग की गई है। यह टेस्टिंग डर्डो और एरियल डिलीवरी रिसर्च और डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट ने मिलकर की। गगनयान मिशन के क्रू मॉड्यूल में कुल 10 पैराशूट होंगे। इस मिशन में इस्तेमाल किए जाने वाले पैराशूट सिस्टम आगरा में तैयार किए गए हैं।

इस महीने लॉन्च होगा पहला मिशन

इसरो के प्रमुख एस सोमनाथ ने बताया कि देश का पहला मानव अंतरिक्ष अबॉर्ट मिशन इस साल अगस्त में लॉन्च किया जाएगा। दरअसल गगनयान, इसरो का एक प्रोजेक्ट है, इसमें तीन मिशन होंगे। इसका पहला मिशन मानव रहित होगा। दूसरे मिशन में एक रोबोट को भेजा जाएगा और आखिरी यानी तीसरे मिशन में अंतरिक्ष में तीन एस्ट्रोनॉट को भेजा जाएगा। दूसरा मिशन अगले साल यानी 2024 में लॉन्च किया जाएगा। मिशन कामयाब हुआ तो इतिहास रचेगा।

पवित्रता बनाए रखने ट्रस्ट ने उठाया कदम

राम मंदिर के गर्भगृह का 35 फीट की दूरी से मिलेगा 'दर्शन'

हिंदू धार्मिक मान्यता के अनुसार मंदिर के गर्भगृह में केवल राजा और मंदिर के पुजारी को ही जाने का अधिकार

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

भगवान राम के अयोध्या में बन रहे मंदिर का उद्घाटन 21 से 24 जनवरी के बीच कभी भी हो सकता है। प्रधानमंत्री कार्यालय से तिथि मिलने के बाद इसे अंतिम रूप से घोषित किया जाएगा। उद्घाटन के बाद राम भक्तों को भगवान राम की प्रतिमा को छूने का अवसर नहीं मिल पाएगा।

भक्तों को गर्भगृह में भी जाने की अनुमति नहीं होगी। लोग लगभग 35 फीट की दूरी से भगवान के दर्शन करेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार यह व्यवस्था गर्भगृह की पवित्रता को बनाए रखने के लिए की गई है। साथ ही हिंदू धार्मिक मान्यता के अनुसार मंदिर के गर्भगृह में केवल राजा और मंदिर के पुजारी को ही जाने का अधिकार होता है। गर्भगृह में केवल प्रधानमंत्री और पुजारी को ही प्रवेश मिलना तय किया गया है। गौर हो कि तिरुपति बालाजी और भगवान जगन्नाथ के मंदिर में भी इसी तरह की व्यवस्था है।

पुजारियों को मिलेगी सरकारी स्तर की सुविधा, सैलरी बढ़ेगी

श्रीरामजन्मभूमि के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि रामलला की सेवा में नियुक्त पुजारियों और कर्मचारियों को अब सरकारी स्तर की सुविधा श्रीराममंदिर ट्रस्ट देगा।

भारत-चीन के बीच तनाव को कम करने की कवायद, आज होगी 19वें राउंड की बातचीत

भारत का देपसांग और डेमचोक से चीनी सेना हटाने पर जोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच जारी बॉर्डर विवाद को लेकर 19वें राउंड की मीटिंग पूर्वी लद्दाख सेक्टर के चुशुल-मोल्दो मीटिंग पॉइंट पर 14 अगस्त को होगी। कोर कमांडर लेवल की मीटिंग भारत की तरफ से की जा रही है। चार महीने पहले इसी मसले पर 18वें राउंड की मीटिंग हो चुकी है, लेकिन कुछ खास नतीजा नहीं निकला था। बता दें, करीब तीन साल से ज्यादा समय से भारत और चीन की सेनाएं आमने-सामने हैं। 15 जून 2020 में भारत और चीन के सैनिकों के बीच खूनी संघर्ष हुआ था। इस हिंसक झड़प में भारत के 20 सैनिक शहीद हो गए थे और चीन के करीब 40 जवान मारे गए थे।

खास बातें

- तीन साल से भारत और चीन की सेनाएं आमने-सामने
- 18वें दौर की बातचीत रही थी बेनतीजा, इससे बड़ी उम्मीद
- देपसांग प्लेन्स में चीन ने पिछले कई महीनों से भारतीय पेट्रोलिंग को कर रखा है ब्लॉक

सेना को हटाने की मांग को खारिज करता रहा चीन

भारत के सैन्य अधिकारी इस मीटिंग में देपसांग और डेमचोक से सेना हटाने पर जोर दे सकते हैं। देपसांग प्लेन्स में चीन ने पिछले कई महीनों से भारतीय पेट्रोलिंग को ब्लॉक किया हुआ है। चीन हमेशा देपसांग मैदान और चार्डिंग निंगलुंग नाला से सेना को हटाने की मांग को खारिज करता रहा है।

बैठक का नेतृत्व 14-कॉर्प्स कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राशिम बाली करेंगे

चीन के साथ होने वाली बैठक का प्रतिनिधित्व भारत की तरफ से 14-कॉर्प्स कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राशिम बाली करेंगे। साथ ही विदेश मंत्रालय और आईटीबीपी के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। वहीं, चीनी पक्ष से अगुआई साउथ शिनजियांग मिलिट्री डिस्ट्रिक्ट चीफ करेंगे।

एनएसए अजीत डोभाल ने कहा था- रणनीतिक विश्वास खत्म हो गया

24 जुलाई को भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहाकार अजीत डोभाल दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में बिक्स सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे थे। बैठक के दौरान एनएसए डोभाल ने कहा था कि भारत-चीन के बीच 2020 में सीमा विवाद के बाद रणनीतिक विश्वास खत्म हो गया है। इस दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी भी मौजूद थे। एनएसए डोभाल ने भारत-चीन के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में जारी तनाव को खत्म करने और द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य करने पर जोर दिया। हालांकि, दोनों पक्ष इस बात पर सहमति हुए कि भारत और चीन संबंध दोनों देशों के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिए काफी महत्वपूर्ण है। भारत और चीन जल्द ही सीमा विवाद को लेकर बातचीत करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा- सीमा पर तनाव कम करने के लिए भारत और चीन के बीच बातचीत रुकी नहीं है और जल्द ही दोनों देशों के बीच बैठक होगी।

चिप निर्माण के क्षेत्र में मिली बड़ी सफलता

भारत में बनेगी चिप, अमेरिका करेगा 30 हजार करोड़ निवेश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी एसआरएएम एंड एमआरएएम ग्रुप की भारत में 30,000 करोड़ रुपए के प्रस्तावित अपने चिप विनिर्माण संयंत्र और एक परीक्षण इकाई के लिए सेमीकंडक्टर निर्माता एसके हाइनिक्स और ग्लोबल फाउंड्रीज के साथ बातचीत आखिरी चरण में है। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एसआरएएम एंड एमआरएएम ग्रुप के चेयरमैन सैलेश लाचू हीरानंदानी ने बताया कि संयुक्त उपक्रम में उनके समूह की हिस्सेदारी ज्यादा होगी। केंद्र से परियोजना के लिए मंजूरी लेने के वास्ते एक सप्ताह में आवेदन किया जाएगा।

ग्लोबल फाउंड्रीज के साथ संपर्क में

एसके हाइनिक्स शीर्ष तीन वैश्विक मेमोरी या स्टोरेज सेमीकंडक्टर कंपनियों में से एक है। एसआरएएम एंड एमआरएएम समूह ने ओडिशा में एक सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र और एक परीक्षण इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। हीरानंदानी ने कहा मेरे उपाध्यक्ष उनके साथ संपर्क में हैं। हम ग्लोबल फाउंड्रीज को अपने साथ जोड़ सकते हैं।

सिटी मजिस्ट्रेट के विरोध में बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष ने भरी हुंकार

प्रखर जौनपुर। बिगड़ती कानून व्यवस्था और अधिवक्ताओं पर अत्याचार को लेकर बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर दीवानी न्यायालय के अधिवक्ताओं ने सोमवार को विरोध दिवस मनाया। अधिवक्ता साहिल का उत्पीड़न व जेल भेजने को लेकर अधिवक्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन व नारेबाजी किया। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के पूर्व चेयरमैन व वाराणसी के अधिवक्ता हरिशंकर सिंह व पूर्व चेयरमैन अरुण त्रिपाठी भी आकर अधिवक्ताओं के आंदोलन में शामिल हुए। कहे कि यदि 15 अगस्त तक सिटी मजिस्ट्रेट का निलंबन या ट्रांसफर नहीं होता तो वाराणसी के अधिवक्ता यहां आकर आंदोलन करेंगे और सिटी मजिस्ट्रेट को भी बैठने नहीं देंगे। अधिवक्ताओं ने बताया कि मुख्यमंत्री तक सिटी मजिस्ट्रेट का मामला पहुंच चुका है।जल्द ही शुभ समाचार मिलने की उम्मीद है।अधिवक्ताओं से सर्टिफिकेट आफ प्रैक्टिस के नाम पर 500 की मांग पर हरिशंकर सिंह ने बताया कि यह बार काउंसिल ऑफ

इंडिया द्वारा किया गया है। इसे हम लोग काला कानून मानते हैं। यहां के अधिवक्ताओं ने कहा कि हम लोग इसका विरोध करेंगे। सुबह 10:30 से 3:00 बजे तक अधिवक्ता लगातार सड़क पर टेंट लगाकर विरोध प्रदर्शन करते हुए वक्तव्य देते रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष जितेंद्र नाथ उपाध्याय,मंत्री अनिल सिंह, तेज बहादुर सिंह, प्रेम शंकर मिश्रा, समर बहादुर यादव,अरुण प्रजापति,शरदेंदु चतुर्वेदी, मंजू शास्त्री, संतोष प्रजापति,हरिवंश उपाध्याय, हिमांशु श्रीवास्तव, विकास तिवारी,सीपी दुबे, अजीत सिंह, विनोद श्रीवास्तव, बृजेश निषाद, अवनीश चतुर्वेदी,पद्माकर उपाध्याय, विनय सिंह,मृदुल यादव, ओमप्रकाश पाल, ज्ञानेंद्र दुबे, सुरेंद्र प्रजापति, उपेंद्र विक्रम सिंह, मानसिंह, सूर्य प्रकाश सिंह, आरपी सिंह, रमेश सोलंकी,प्रेमनाथ पाठक, प्रदीप निषाद, निलेश निषाद, अवधेश यादव,अवधेश सिंह, सुभाष चंद्र यादव, अनिल सिंह,भारत सिंह,प्रशांत उपाध्याय, शिव प्रकाश गिरी, गोरख श्रीवास्तव, संतोष सोनकर,पंकज त्रिपाठी,संजीव सिंह,प्रदीप त्रिपाठी, सुरेंद्र बिंद,विवेक श्रीवास्तव, सूबेदार यादव मनोज यादव निसार अहमद,मोहम्मद खालिद, उमर फारूकी, मनजीत कौर,सरिता यादव, आशीष आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

मत्स्य विभाग ने क्रेडिट कार्ड बनवाने के लिए लगाया किसान क्रेडिट कार्ड मेला

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मत्स्य पालको हेतु किसान क्रेडिट कार्ड मेला, मत्स्य पालको को किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने में आ रही समस्याओं के निराकरण हेतु सोमवार को राइफल क्लब परिषर में लीड बैंक मैनेजर पीयूष सिंह परमार एवं मत्स्य पालक विकास अभिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सपना पुरी के द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड मेले का आयोजन किया गया। मेले में जनपद के समस्त प्रमुख बैंको इंडियन बैंक, यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, जिला सहकारी बैंक एवं बड़ौदा यू०पी० बैंक के स्टाल लगाये गये। बैंक समन्वयकों द्वारा मत्स्यपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड की जानकारी दी गयी । मेले का प्रारम्भ मुख्य विकास अधिकारी महोदय के द्वारा किया गया। मेले में मुख्य अतिथि माननीय राज्यसभा सदस्य दर्शना सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह नगरपालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल द्वारा स्थल का निरीक्षण किया गया। एवं मत्स्य पालकों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी जी गयी। लीड बैंक मैनेजर द्वारा अवगत कराय कराया गया कि 21 लाभार्थियों मत्स्य पालको को तत्काल किसान क्रेडिट कार्ड हेतु स्वीकृति दी गयी तथा अन्य आवेदनों पर भी शीघ्र स्वीकृति जारी करने का आश्वासन दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी बैंको को निर्देश दिये गये कि मत्स्य पालकों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में किसान क्रेडिट कार्ड जारी करें । मुख्य कार्यकारी अधिकारी सपना पुरी के यह बताया गया कि मत्स्य विभाग के द्वारा समय-समय पर इस तरह मेले का आयोजन किया जाएगा। जिससे ज्यादा से ज्यादा केसीसी मत्स्य पालको को प्राप्त हो सके। अपर जिलाधिकारी प्रशासन महोदय द्वारा भी मेले का निरीक्षण कर केसीसी की जानकारी ली गयी।

बाइक के धक्के से बुजुर्ग महिला की मौत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा थाना क्षेत्र के बढ़ौना में तेज गति से बाइक से जा रहे युवक ने एक बुजुर्ग महिला को टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई , वही बाइक सवार भी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सोमवार की अपराह्न 3 बजे की है। बताया जाता है कि शाहपुर निवासी अशोक वनवासी 45 वर्ष, वकील वनवासी 40 वर्ष बाइक से नशे में द्युत होकर जा रहे थे। तभी सड़क पार कर रही बुजुर्ग महिला 55 वर्षीय राजपति पत्नी रामचन्द्र निवासी बढ़ौना को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह उझलते हुए दूर जा गिरी। जिससे उसके सिर व हाथ पैर में गम्भीर चोट लग गई। परिजन अस्पताल ले जा रहे थे तभी रास्ते मे उसकी मौत हो गई। वही बाइक चला रहे अशोक व उसपर बैठे वकील को भी गम्भीर चोटे आई। जिन्हें गम्भीरवस्था में दीनदयाल अस्पताल में भर्ती कराया गया। थानाध्यक्ष आशीष मिश्रा के मुताबिक घायलों में एक की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनो घायल एक ही गांव शाहपुर सिंधोरा के निवासी हैं।

बौद्ध संग्रहालय द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर छाया चित्र प्रदर्शनी आयोजित

प्रखर कसया, कुशीनगर। आजादी का अमृत महोत्सव के समापन समारोह "मेरी माटी मेरा देश एवं हर घर तिरंगा" कार्यक्रम के अन्तर्गत राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर, द्वारा "विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस "एवं स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर विभाजन विभीषिका पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ लेफ्टिनेंट वेद प्रकाश मिश्र ने किया। मुख्य अतिथि के द्वारा सेल्फी विद तिरंगा के साथ फोटो मिला गया। कहा कि भारत का विभाजन अभूतपूर्व मानव विस्थापन और मजबूरी में पलायन की एक दर्दनाक कहनी हैं। ये एक ऐसी कहानी है, जिससे लाखों लोग अजनबियों के बीच एकदम विपरीत वातावरण में नया आशियाना तरास रहे थे।विश्वास और धार्मिक आधार पर एक हिंसक विभाजन की कहानी होने के अतिरिक्त यह इस बात की भी कहानी है कि कैसे एक जीवन शैली तथा वर्षों पुराने सह-अस्तित्व का युग अचानक और नाटकीय रूप से समाप्त हो गया। देश का विभाजन किसी विभीषिका से कम नही था।भारत के लाखों लोगों ने वलिदान देकर आजादी प्राप्त की थी।ऐसे समय पर देश के दो गुटों में बट जाने का दर्द लाखों परिवारों मे एक गहरे जख्म की तरह घर कर गया। भारत के इस भौगोलिक बटवारे ने देश के लोगों को सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक तथा मानसिक रूप से झकझोर दिया था। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमे न सिर्फ भेद-भाव, वैमनस्य एवं दुर्भावना को खत्म करने की याद दिलायेगा बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तिकरण की प्रेरणा मिलेगी। राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में विभाजन विभीषिका से सम्बंधित पृष्ठभूमि, तत्कालीन घटना क्रम के छायाचित्र, अखबारों के कटिंग, अभिलेख आदि प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया है। कार्यक्रम का संचालन तेज प्रताप शुक्ला ने किया। अतिथियों का स्वागत एवं आभार संग्रहालयाध्यक्ष अमित कुमार द्विवेदी ने किया। उक्त अवसर पर श्रवण कुशवाहा, जितेंद्र यादव, महेश कानू, अमित सिंह, विपुल, गोविन्द, वेग, मीरचन्द, अवधेश, चंद्रशेखर आदि उपस्थित रहे।

होटल आदेश पैलेस के तत्वाधान में कांवरियों को 1100 दर्जन केले का हुआ वितरण

प्रखर वाराणसी। होटल आदेश पैलेस के तत्वाधान में आदित्य मिश्रा , आदेश मिश्रा और अदिति मिश्रा ने 1100 दर्जन केला का वितरण कांवरियों , श्रद्धालुओं में बांसफाटक होटल आदित्य के पास किया गया। आदित्य मिश्रा , आदेश मिश्रा और अदिति मिश्रा ने बताया यह सारी व्यवस्था साल भर गुल्लक से जमा रुपयों से करवाई जाती है । उसमे वाराणसी के संभ्रांत लोग सम्मलित होकर वितरण में सहयोग करते हैं । एक संकल्प के साथ यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है जो आगे भी जारी रहेगा। फलाहार रूपी केला वितरण में प्रमुख रूप से झ लक्ष्मी कांत मिश्रा किसमिस गुरु, वरुण सिंह,राहुल यादव,बलवंत सिंह,कमल तिवारी,बबलू तिवारी,प्रमोद शुक्ला,बल्ली गुप्ता,मुजीब भाई, बिरजेश कपूर,खुर्सिद भाई ,गोपाल यादव,सानु मालवीय,रवि अरोड़ा ,अनुप खन्ना,राजु मेघनानी,संजय दुबे,बबलु यादव,गोविंद यादव,बोदे यादव,संजय यादव,मोदसिर भाई, रवि जैन , मनीष शर्मा , अमरनाथ विश्वकर्मा मौजूद रहे।

काशी रस के रूप में काशिकेय संस्कृति कजरी गीत के जरिए दर्शकों के हृदय को भाव विभोर किया

प्रखर वाराणसी। काशी रस के रूप में काशिकेय संस्कृति के नवीन स्वरूप से जन सामान्य को अवगत कराने एवं भावी पीढ़ी को सशक्त मंच उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर वाराणसी श्री अशोक मुथा जैन जी की परिकल्पना को साकार करने का अद्भुत प्रयास सुबह- ए -बनारस के मंच पर किया जा रहा है। काशी रस की पूरी टीम एवम समस्त कलाकारो को पूर्ण सहयोग का आश्वासन सुबह - ए- बनारस के सचिव एवं संस्थापक डॉ रत्नेश वर्मा जी ने दिया है। श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि में कलाकारों ने भगवान शिव की आराधना और कजरी गीत के माध्यम से दर्शक गण के हृदय को भाव विभोर किया।

जिला गंगा समिति ने आजादी के अमृत महोत्सव पर चलाया हस्ताक्षर अभियान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला गंगा समिति के द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा हर घाट तिरंगा का आयोजन दादरी घाट, राजकीय महिला पी जी कालेज एवं सैदपुर विकास खण्ड के पटना गंगा घाट पर किया गया। जनपद के ददरीघाट पर हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया जहा युवाओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया एवं मां गंगा को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया राजकीय महिला पी जी कालेज में बालिकाओं द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर गंगा के प्रति जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया साथ ही सैदपुर विकास खण्ड के पटना गंगा घाट पर गंगा दूत एवं गंगा प्रहरियों ने वृहद स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाकर गंगा स्वच्छता शपथ ली। सहायक प्रोफेसर डॉ संतन कुमार ने कहा कि मां गंगा सिर्फ नदी नही बल्कि जीवन दायिनी है हर घाट पर तिंरगा के साथ ही हर घाट को स्वच्छ रखने का संकल्प लेना है। प्रभागीय निदेशक प्रदीप ने कहा कि 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिंरगा हर घाट तिंरगा कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता अभियान, हस्ताक्षर अभियान, पदयात्रा, गंगा शपथ, एवं अन्य प्रतियोगिताओ का आयोजन किया जा रहा है।

जेल अधीक्षक शशिकांत मिश्र को मिलेगा आईजी प्रशंसा चिन्ह व पत्र

प्रखर खेतासराय जौनपुर। क्षेत्र की सीमा सटे फुलेश गांव निवासी जेल अधीक्षक मेरठ शशिकांत मिश्र को आईजी कारागार प्रशंशा चिन्ह व पत्र गणतंत्र दिवस के मौके पर सम्मानित किया जाएगा। सूबे के डेढ़ दर्जन से अधिक अधीक्षक कारागार को हीरक, गोल्ड और सिल्वर प्रशंशा चिन्ह व पत्र देने का शासन से निर्देश मिला है । श्री मिश्र को हीरक मेडल दिया जाएगा । उनके इस सम्मान से दोनों जनपदों की सीमा के लोगों में खुशी व्याप्त हो गई है । क्षेत्र के प्रबन्धक कृष्णकान्त मिश्र, पत्रकार आनंद सिंह, यूसुफ खान, सिंटू मिश्रा, अशोक यादव ने गहरी प्रशंसा जताई है ।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः	सम्पर्क सूत्रः
9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001	0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं